website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 316 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

देश के पांच महानगरों में खुलेंगे 'इन्वेस्ट यूपी' के सैटेलाइट निवेश प्रोत्साहन ऑफिस

नई दिल्ली (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। अब देश के पांच प्रमुख महानगरों-मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में 'इन्वेस्ट यूपी' के सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस खोले जाएंगे। इसका उद्देश्य देश के बड़े औद्योगिक केंद्रों से पूंजी निवेश को सीधे उत्तर प्रदेश तक लाना और निवेशकों को राज्य की नीतियों एवं संभावनाओं से जोड़ना है।

प्रत्येक ऑफिस में होगा समर्पित स्टॉफ

मुख्यमंत्री योगी पहले ही इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को हरी झंडी दे चुके हैं। इसी क्रम में इन सैटेलाइट ऑफिसों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है, जो राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देंगे। प्रत्येक ऑफिस में एक जनरल मैनेजर, एक असिस्टेंट जनरल मैनेजर, दो उद्यमी मित्र, दो एग्जिक्यूटिव और दो ऑफिस असिस्टेंट की टीम कार्य करेगी। सभी पांचों कार्यालयों पर कुल 12 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक धनराशि व्यय होने का अनुमान है।

'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की छवि होगी और मजबूत

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार का यह कदम निवेशकों से नजदीकी संवाद बढ़ाने और राज्य की 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' की छवि को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी का कहना है कि उत्तर प्रदेश अब केवल उपभोक्ता राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है। सैटेलाइट ऑफिस इस दिशा में सेतु का काम करेंगे। इन सैटेलाइट ऑफिसों के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष औद्योगिक केंद्रों में अपनी स्थायी मौजूदगी दर्ज करेगा और वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक नई पहचान बनाएगा।

रणनीतिक क्षेत्रों पर होगा फोकस

सरकार की योजना के अनुसार, प्रत्येक शहर का सैटेलाइट ऑफिस अपनी भौगोलिक और औद्योगिक विशेषता के अनुरूप रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा।

– मुंबई ऑफिस वित्तीय सेवाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक और ईएसजी फंड पर ध्यान देगा।

– बेंगलुरु ऑफिस जीसीसी, एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, ईवी और डीपटेक सेक्टर पर फोकस करेगा।

– हैदराबाद ऑफिस फार्मा, डेटा सेंटर, हेल्थटेक और एंटरप्राइज SaaS उद्योगों पर केंद्रित रहेगा।

– चेन्नई ऑफिस ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और हार्डवेयर निर्माण उद्योगों में निवेश आकर्षित करेगा।

– नई दिल्ली ऑफिस समर्पित इन्वेस्ट यूपी एवं एशिया-यूरोपीय संघ सुविधा कार्यालय के रूप में कार्य करेगा।

दिल्ली में छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए विशेष तैयारी

1000 से अधिक बनाए जा रहे छठ घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली के बाद पूरे देश में छठ की तैयारी शुरू हो गई है। ऐसे में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस बार दिल्ली की दीपावली भव्य थी तो श्रद्धा व आस्था का छठ पर्व दिव्यता से भरपूर होगा। सरकार ने छठ पर्व को व्यापक व विस्तृत बनाने की तैयारी पूरी कर ली है, ताकि श्रद्धालु इस पर्व को पूरी शुद्धता व आस्था से मना सकें।

दिल्ली में 1000 से अधिक छठ घाट

मुख्यमंत्री का कहना है कि इस बार पूरी दिल्ली में 1000 से अधिक छठ घाट बनाए जा रहे हैं, जिनमें यमुना किनारे 17 विशेष व भव्य मॉडल घाट तैयार हो रहे हैं। सरकार की ओर से प्रत्येक उप जिले में भी कम से कम एक मॉडल घाट बनाया जा रहा है। करीब 200 घाटों पर छठ पूजा से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। सीएम रेखा गुप्ता का यह भी कहना है कि दिल्ली के सभी सांसद, विधायक, पार्षद व जनप्रतिनिधियों ने बुधवार से अपने-अपने क्षेत्रों में बन रहे छठ घाटों पर स्वच्छता अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कुछ साल पूर्व यमुना पर छठ पूजा कर रहे श्रद्धालुओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। सरकार ने इन मुकदमों को वापस लेने का निर्णय लिया है।

छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए विशेष तैयारी

सीएम रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में छठ पूजा के आयोजन की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि सरकार इस बार छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए विशेष तैयारी कर रही है। इस कॉन्फ्रेंस में उनके साथ दिल्ली सरकार के विकास व पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा व मुख्य सचेतक अभय वर्मा भी थे।

छठ पूजा आस्था, संस्कृति और श्रद्धा का उत्सव

उन्होंने कहा कि छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि दिल्ली की आस्था, संस्कृति और श्रद्धा का उत्सव है। वर्षों से यमुना नदी पर छठ पूजा पर लगा सरकारी प्रतिबंध इस बार हटा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब सरकार स्वयं श्रद्धालुओं के लिए यमुना किनारे सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ पूजा स्थलों का निर्माण कर रही है। उन्होंने बताया कि यमुना तट पर पल्ला से लेकर कालिंदी कुंज तक कुल 17 प्रमुख स्थलों पर मॉडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं। आबादी के हिसाब से इन घाटों की लंबाई आधे किलोमीटर से लेकर डेढ़ किलोमीटर तक होगी। इसके अलावा प्रत्येक जिले और उप जिले में कम से कम एक मॉडल छठ घाट अवश्य बनाया जाएगा ताकि सभी क्षेत्रों के श्रद्धालु सहजता व भक्तिभाव से पूजा कर सकें।

व्रतियों व श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए इस बार भव्य स्वागत द्वार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि पिछली बार जहां केवल 929 घाटों पर छठ पूजा आयोजित हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक एक हजार से अधिक समितियों ने सरकार से आयोजन की अनुमति मांगी है। इन सभी घाटों पर सरकार की ओर से टेंट, बिजली, स्वच्छता, पेयजल और शौचालय जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए इस बार भव्य स्वागत द्वार बनाए जाएंगे, जहां पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया जाएगा।

भोजपुरी तथा मैथिली भाषा में सांस्कृतिक कार्यक्रम

उन्होंने यह भी बताया कि करीब 200 से अधिक घाटों पर धार्मिक वातावरण के अनुरूप भोजपुरी तथा मैथिली भाषा में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री के अनुसार यह पहली बार होगा जब दिल्ली सरकार स्वयं इतने बड़े पैमाने पर धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का हिस्सा बनेगी। उन्होंने कहा कि अधिकतर स्थलों पर मोबाइल शौचालय, सफाईकर्मी और चिकित्सा वैन की तैनाती रहेगी। सीएम रेखा गुप्ता ने यह भी बताया कि आज से एक विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत दिल्ली के सभी सांसद, विधायक, पार्षद और अन्य जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों के घाटों पर जाकर सफाई-स्वच्छता अभियान चलाएंगे।

कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि पिछली सरकार के समय वर्ष 2021 में यमुना किनारे छठ पूजा करने गए श्रद्धालुओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए थे। अब दिल्ली सरकार उन सभी एफआईआर और मामलों को वापस लेगी। पूर्व सरकार द्वारा आस्था पर प्रतिबंध लगाए गए थे, जबकि वर्तमान सरकार आस्था का सम्मान करती है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दीपावली के अवसर पर दिल्ली ने इतिहास रचा और पहली बार कर्तव्य पथ पर भव्य ड्रोन शो और दीपोत्सव का आयोजन हुआ, उसी प्रकार इस बार की छठ पूजा भी दिव्य और भव्य होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली अब केवल राजनीति की राजधानी नहीं, बल्कि आस्था की भी राजधानी बनने जा रही है। जिस श्रद्धा के साथ दिल्लीवासियों ने दीप जलाए, उसी समर्पण के साथ यमुना तट पर सूर्य देव को अर्घ्य देंगे।

ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा मानद लेफ्टिनेंट कर्नल के पद से सम्मानित

-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सम्मान चिन्ह किया प्रदान

नई दिल्ली (एजेंसी) भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को बुधवार को भारतीय सेना की टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल के पद से सम्मानित किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में नीरज को यह सम्मान चिन्ह औपचारिक रूप से प्रदान किया।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा दृढ़ संकल्प, देशभक्ति और उत्कृष्टता की भारतीय भावना का प्रतीक हैं। उन्होंने अपने अनुशासन और समर्पण से न केवल खेल जगत में, बल्कि पूरे देश में प्रेरणा का स्रोत बनने का काम किया है। रक्षा मंत्री ने नीरज चोपड़ा की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि नीरज ने मैदान में जो अनुशासन और निष्ठा दिखाई, वही भावना उन्हें सेना के आदर्शों से जोड़ती है। वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सच्चे प्रेरणा स्रोत हैं।

राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट में शामिल

बता दें कि नीरज चोपड़ा को वर्ष 2016 में भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट में शामिल किया गया था। हरियाणा के पानीपत जिले के खांदरा गांव में 24 दिसंबर 1997 को जन्मे नीरज ने अपने प्रदर्शन से न केवल भारत को, बल्कि भारतीय सेना को भी गौरवान्वित किया है।

नीरज चोपड़ा की उपलब्धियां

उन्होंने 2020 के टोक्यो ओलंपिक में इतिहास रचते हुए ट्रैक एंड फील्ड में भारत का पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में रजत पदक और 2023 की वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा, नीरज ने एशियाई खेलों, कॉमनवेल्थ गेम्स और डायमंड लीग में भी कई स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने हाल ही में 90.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो (2025) कर भारतीय एथलेटिक्स इतिहास में नया मील का पत्थर स्थापित किया।

कई बड़े सम्मान से सम्मानित

नीरज की उत्कृष्ट उपलब्धियों और राष्ट्र सेवा के प्रति उनके योगदान के सम्मान में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें 16 अप्रैल 2025 को टेरिटोरियल आर्मी में मानद कमीशन प्रदान किया था। नीरज को पहले भी कई प्रतिष्ठित सम्मान मिल चुके हैं, जिनमें पद्म श्री, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, परम विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक शामिल हैं।

कार्यक्रम में थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और भारतीय सेना व टेरिटोरियल आर्मी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तमिलनाडु में भारी बारिश, मौसम विभाग ने 11 जिलों में जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी) बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बने गहरे दबाव के निम्न दबाव क्षेत्र में तब्दील होने की आशंका के बीच तमिलनाडु के कई हिस्सों में सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने राज्य भर में मौसम अलर्ट जारी किए हैं, जिनमें कई जिलों में भारी से लेकर अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

आरएमसी के अनुसार, मौसम प्रणाली बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में है और अगले 24 घंटों में उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी व दक्षिणी आंध्र तट की ओर बढ़ सकती है

आरएमसी के अनुसार, मौसम प्रणाली वर्तमान में बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है और अगले 24 घंटों में इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों की ओर बढ़ने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रणाली और अधिक शक्तिशाली हो सकती है, तथा आज रात तक ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह चक्रवाती तूफान में बदल सकता है या नहीं।

अमुधा के अनुसार, यह दबाव क्षेत्र आज दोपहर तक बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य भाग में कम दबाव क्षेत्र में बदल सकता है मौसम विभाग के दक्षिणी क्षेत्र के प्रमुख अमुधा ने कहा कि इस दबाव क्षेत्र के आज दोपहर तक बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य क्षेत्र के ऊपर कम दबाव वाले क्षेत्र में विकसित होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, "इसकी गति और तीव्रता पर कड़ी नजर रखी जा रही है। अगले 12 घंटे यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होंगे कि यह चक्रवात में बदलेगा या नहीं।"

पूर्वानुमान के बाद विल्लुपुरम, चेंगलपट्, कुड्डालोर और मयिलादुथुराई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है

विभाग के पूर्वानुमान के बाद विल्लुपुरम, चेंगलपट्, कुड्डालोर और मयिलादुथुराई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जहां अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, रानीपेट, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, अरियालुर, पेरम्बलुर, तंजावुर, तिरुवरूर, नागपट्टिनम और कराईकल सहित 11 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आरएमसी ने तमिलनाडु के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी है

इस बीच, आरएमसी ने चेतावनी दी है कि सलेम, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, तिरुपत्तूर, धर्मपुरी और पुदुकोट्टई जिलों में तेज बारिश होने की संभावना है। बुधवार को चेन्नई, चेंगलपट्, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और रानीपेट में भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है, जबकि आसपास के जिले जैसे वेल्लोर, तिरुपत्तूर, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची, कुड्डालोर और पुडुचेरी भी प्रभावित होने की संभावना है।

अधिकारियों ने निचले और तटीय क्षेत्रों के निवासियों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा टालने को कहा है, क्योंकि उत्तर-पूर्वी मानसून तेज है

आरएमसी ने चेतावनी दी कि चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्, रानीपेट, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, कल्लाकुरिची, नीलगिरी, तिरुप्पुर, इरोड, तिरुपत्तूर और वेल्लोर सहित 14 जिलों में अगले तीन घंटों तक मध्यम से भारी बारिश जारी रहेगी।अधिकारियों ने निचले और तटीय क्षेत्रों के निवासियों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने का आग्रह किया है, क्योंकि पूरे क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी मानसून तेज हो रहा है।

गृहमंत्री अमित शाह के जन्मदिन पर पीएम मोदी समेत भाजपा नेताओं ने दी हार्दिक बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी) गृह मंत्री अमित शाह के जन्मदिन पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कई केंद्रीय नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। उन्हें अपने समर्पण और मेहनती स्वभाव के लिए व्यापक रूप से प्रशंसा मिली हैं। उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और हर भारतीय को सुरक्षा और गरिमा के साथ जीवन जीने का अवसर देने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। मैं उनके दीर्घ और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करता हूं।"

आपका सार्वजनिक जीवन, समर्पण और संगठन कौशल एक अद्वितीय उदाहरण है

भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए अपने संदेश में कहा, "केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को मेरी तथा भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आपका सार्वजनिक जीवन, समर्पण और संगठन कौशल एक अद्वितीय उदाहरण है। नक्सलवाद के उन्मूलन में आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण देश को नक्सल-मुक्त बनाने की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। आपने संगठन के विस्तार और विचार के सशक्तिकरण दोनों को नई ऊंचाइयां **प्रदान की हैं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।"**

परिश्रमी और दृढ़संकल्पी अमित शाह देश की आंतरिक सुरक्षा, शांति और स्थिरता के लिए निरंतर कार्यरत हैं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी गृह मंत्री को बधाई देते हुए कहा, "केंद्रीय मंत्रिमंडल में हमारे साथी, गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वभाव से अत्यंत परिश्रमी और दृढ़ संकल्प के धनी, अमित शाह भारत की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने और देश में शांति व स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तत्परता से कार्यरत हैं। मैं ईश्वर से उनके दीर्घायु होने और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।"

जनप्रिय राजनेता, कुशल संगठनकर्ता और श्रेष्ठ रणनीतिकार केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की आत्मीय शुभकामनाएं

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "जनप्रिय राजनेता, कुशल संगठनकर्ता और श्रेष्ठ रणनीतिकार केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की आत्मीय शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की प्रार्थना करता हूं।"

6.06 लाख से अधिक नागरिकों को दी गई जीवनरक्षक सीपीआर की ट्रेनिंग- सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्र सरकार ने बताया कि देशभर में 6,06,374 नागरिकों को जीवनरक्षक कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (CPR) तकनीक की ट्रेनिंग दी गई है। यह प्रशिक्षण 13 से 17 अक्टूबर तक आयोजित सीपीआर जागरूकता सप्ताह के दौरान दिया गया। कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (CPR) एक अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीक है जो हृदयगति रुकने जैसी आपात स्थितियों में मरीज के बचने की संभावना बढ़ाती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, इस सप्ताह के दौरान कुल 7.47 लाख से अधिक नागरिकों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इनमें से 6.06 लाख से अधिक लोगों को व्यावहारिक प्रशिक्षण (physical training) दिया गया। भारत में सीपीआर का ज्ञान और उसका उपयोग अब भी वैश्विक मानकों की तुलना में कम है। इसी अंतर को पाटने के लिए मंत्रालय ने यह अभियान शुरू किया, ताकि देश के हर वर्ग तक सीपीआर की जानकारी और अभ्यास पहुंचाया जा सके। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर 14,701 प्रतिभागियों ने ECHO प्लेटफॉर्म और यूट्यूब लाइव के माध्यम से प्रशिक्षण और प्रतिज्ञा कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं MyGov प्लेटफॉर्म पर 79,870 नागरिकों ने सीपीआर जागरूकता की डिजिटल प्रतिज्ञा ली। सीपीआर प्रशिक्षण सत्र राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभागों, केंद्रीय अस्पतालों, एम्स, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी और अन्य पेशेवर संस्थानों द्वारा आयोजित किए गए। इसके अलावा केंद्रीय कर्मचारियों, CISF कर्मियों, हाउसकीपिंग स्टाफ और विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों को भी ट्रेनिंग दी गई। स्वास्थ्य सचिव पुन्या सलीला श्रीवास्तव ने कहा कि "हैंड्स-ओनली सीपीआर" जैसी साधारण क्रिया मरीज के महत्वपूर्ण अंगों में रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह बनाए रखती है, जिससे जीवन बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर घर, स्कूल, कार्यालय और सार्वजनिक स्थान पर कम से कम एक व्यक्ति ऐसा हो जो इस जीवनरक्षक तकनीक में प्रशिक्षित हो।

प्रधानमंत्री मोदी ने फिर जवानों के साथ मनाई दिवाली- "देश ही परिवार है" का दिया संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष भी अपनी परंपरा निभाते हुए दिवाली में सीमा पर तैनात वीर जवानों के साथ मनाई। इस बार वे करवार के समीप आईएनएस विक्रांत पर नौसेना के अधिकारियों व नाविकों के साथ रहे। उनके इस कदम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि उनके लिए "देश ही परिवार है" और सीमा पर तैनात सैनिक उनके लिए अपने हैं।

जहां दीपक की लौ घरों के साथ-साथ सीमाओं पर भी जलती है और इसका अर्थ यही है कि देश की सुरक्षा और जवानों की निष्ठा राष्ट्र की सांझी पहचान हैं

यह परंपरा अब प्रतीकात्मक अनुष्ठान से बढ़कर राष्ट्रभावना का उत्सव बन चुकी है। जहां दीपक की लौ घरों के साथ-साथ सीमाओं पर भी जलती है और इसका अर्थ यही है कि देश की सुरक्षा और जवानों की निष्ठा राष्ट्र की सांझी पहचान हैं। प्रधानमंत्री का हर साल सैनिकों के बीच दीप प्रज्वलित करना यह याद दिलाता है कि सीमाओं पर रहने वाले सैनिक देश के अभिन्न अंग हैं और उनके साहस के कारण ही घर-घर में दीप जल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक किन-किन स्थानों पर सैनिकों के साथ दिवाली मनाई है?

2024 – गुजरात (कच्छ, सर क्रीक) : सीमा सुरक्षा बल, थल सेना और नौसेना के जवानों के साथ। 2023 – हिमाचल प्रदेश (लेपचा) : सेना, वायुसेना और नौसेना के साथ; विदेशों में बचाव अभियानों की सराहना। 2022 – करगिल : "करगिल का हर पत्थर भारत की विजय गाथा कहता है," के शब्द। 2021- जम्मू-कश्मीर (नौशहरा) : शौर्य को नमन। 2020- राजस्थान (जैसलमेर, लॉन्गेवाला पोस्ट) : 1971 युद्ध के पराक्रम को याद करते हुए। 2019- राजौरी (LoC) : 'हॉल ऑफ फ़ेम' का दौरा और शहीदों को श्रद्धांजलि। 2018 – उत्तराखंड (हर्षिल) : ITBP जवानों के साथ, मिठाई खिलाते हुए। 2017- जम्मू-कश्मीर (गुरेज सेक्टर) : LoC के पास जवानों से मुलाकात। 2016- हिमाचल प्रदेश (चीन सीमा के निकट) : दूरस्थ सामरिक क्षेत्र में जवानों के साथ। 2015- पंजाब (खस्सा, अमृतसर के पास) : डोगराई वार मेमोरियल पर श्रद्धांजलि। 2014 – सियाचिन : प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली दिवाली सियाचिन बेस कैंप में बितायी।

सीमा पर दीप जलाना राष्ट्रीय एकता और सैनिक-नागरिक संबंध का प्रतीक है

प्रधानमंत्री मोदी की ये वार्षिक पहल सिर्फ रस्मी नहीं- यह उन करोड़ों परिवारों के प्रति सम्मान और आभार का व्यावहारिक प्रदर्शन है जो शांति और सुरक्षा के कारण ही अपने घरों में उत्सव मना पाते हैं। सीमा पर दीपक जलाना इस अर्थ में भी महत्वपूर्ण है कि यह राष्ट्रीय एकता और सैनिक-नागरिक संबंध की ऐसी तस्वीर पेश करता है जो हर भारतीय के मन में गहरे प्रभाव छोड़ती है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

विकास की राह पर पर्यावरण की आह: बेंगलूरु की सुरंग सड़क परियोजना पर उठे सवाल

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन किसी भी शहर की सतत प्रगति की असली कुंजी होता है। अगर विकास की रफ्तार तेज़ हो लेकिन उसके साथ पर्यावरण का संरक्षण न हो, तो वह प्रगति कुछ वर्षों बाद ही अपने ही बोझ तले दब जाती है। देसी सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलूरु में हाल ही में प्रस्तावित 16.7 किलोमीटर लंबी सुरंग सड़क परियोजना इस संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। करीब 18 हजार करोड़ रुपए की इस विशाल परियोजना का उद्देश्य शहर के बढ़ते यातायात दबाव को कम करना है, लेकिन इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। यह परियोजना केंद्रीय रेशम बोर्ड से लेकर हेब्बाल तक बनाई जानी है। सरकार का दावा है कि इस सुरंग सड़क के बनने से शहर के भीतर वाहनों का बोझ कम होगा और यात्रा का समय घटेगा। लेकिन जिस तेजी से इस परियोजना की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है, उसने विशेषज्ञों को चिंतित कर दिया है। सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में 121 से अधिक तकनीकी और पर्यावरणीय खामियां बताई हैं। इन खामियों में सुरक्षा प्रावधानों की कमी, पानी निकासी की अधूरी योजना और भूमिगत दबावों के आकलन में त्रुटियां शामिल हैं। बावजूद इसके, सरकार बोली प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने की दिशा में बढ़ रही है, मानो किसी जल्दबाज़ी में यह सब हो रहा हो।

सबसे गंभीर चिंता पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर है। यह सुरंग मार्ग लालबाग वनस्पति उद्यान के पास से होकर गुजरेगा, जो बेंगलूरु की हरियाली का प्रतीक और भूजल संरचना का अहम केंद्र है। लालबाग केवल एक बाग नहीं, बल्कि शहर की सांसों की तरह काम करने वाला हरित फेफड़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि भले सरकार यह दावा कर रही है कि लालबाग की भूमि का कोई अधिग्रहण नहीं होगा, लेकिन भूमिगत निर्माण से सतह की मिट्टी, पेड़ों की जड़ों और जल स्तर पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। एक बार पारिस्थितिकीय संतुलन बिगड़ गया तो उसे वापस लाना असंभव नहीं तो बेहद कठिन जरूर होगा। इसके अलावा, सुरंग निर्माण से भूमिगत जलधाराओं में परिवर्तन आने की आशंका भी जताई जा रही है। बेंगलूरु पहले ही जल संकट से जूझ रहा है, ऐसे में भूजल संरचना से छेड़छाड़ आने वाले वर्षों में पानी की कमी को और गंभीर बना सकती है। दूसरी ओर, वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी बड़ी लागत की परियोजना का आर्थिक लाभ स्पष्ट नहीं है। सुरंग सड़क के रखरखाव, सुरक्षा और वेंटिलेशन सिस्टम पर हर साल करोड़ों रुपए खर्च होंगे, जबकि इसकी उपयोगिता सीमित रहेगी क्योंकि यह केवल कुछ क्षेत्रों को ही जोड़ेगी। विकास जरूरी है, लेकिन वह ऐसा होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरा न बने।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को बनना होगा बड़ा — तभी आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा

-छोटे उद्योगों की बड़ी चुनौती — वित्त, तकनीक और नीति समर्थन का अभाव

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) देश की आर्थिक रीढ़ हैं। यह वही क्षेत्र है जिसने स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक रोजगार सृजन, उत्पादन, निर्यात और स्थानीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में इन उद्योगों का लगभग 30 प्रतिशत योगदान है, जबकि कुल निर्यात में इनकी हिस्सेदारी 45 प्रतिशत तक पहुँचती है। लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि अपनी अपार संभावनाओं के बावजूद यह क्षेत्र आज भी उस ऊँचाई को प्राप्त नहीं कर पाया, जिसकी अपेक्षा भारत जैसे तेज़ी से बढ़ते देश से की जाती है।

MSME: भारत की आर्थिक धड़कन

भारत में MSME क्षेत्र लगभग 6.3 करोड़ इकाइयों से बना है, जो करीब 12 करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देता है। यह क्षेत्र न केवल रोजगार का सबसे बड़ा गैर-कृषि स्रोत है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सहारा देता है। परंतु समस्या यह है कि इतने विशाल क्षेत्र के बावजूद MSME का औसत आकार छोटा है। एक अनुमान के अनुसार, कुल MSME में से लगभग 97% सूक्ष्म, 2.5% लघु और केवल 0.3% मध्यम वर्ग में आते हैं। इसका अर्थ यह है कि भारत के अधिकांश उद्योग बहुत छोटे पैमाने पर सीमित रह गए हैं। वे बड़े नहीं बनना चाहते या बन नहीं पा रहे। कई उद्योग जानबूझकर अपने टर्नओवर और कर्मचारियों की संख्या उस सीमा से नीचे रखते हैं, जिसके पार जाने पर उन्हें विभिन्न विभागों की जटिल अनुपालन प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है। यह प्रवृत्ति “ड्वार्फ एंटरप्राइजेज” कहलाती है — यानी ऐसे उद्योग जो उम्र में तो पुराने हैं, पर आकार और उत्पादकता में छोटे ही रह जाते हैं।

'Ease of Doing Business' – नीति और ज़मीन के बीच का अंतर

भारत सरकार ने पिछले एक दशक में Ease of Doing Business को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में भारत ने 2014 में 142वें स्थान से छलांग लगाकर 2020 तक 63वाँ स्थान हासिल किया। यह काग़ज़ी उपलब्धि उत्साहजनक थी, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे कुछ भिन्न है। वास्तविक चुनौती यह है कि यह “Ease” छोटे उद्योगों तक पहुँच नहीं पा रही।

कई सूक्ष्म और लघु उद्यमों को अब भी लाइसेंस व पंजीकरण की जटिलताएँ, कर अनुपालन (GST फाइलिंग, ऑडिट, रिटर्न), ऋण स्वीकृति में देरी, भूमि और बिजली कनेक्शन की दिक्कतें, और सरकारी योजनाओं की अपारदर्शिता जैसी समस्याओं से रोज़ जूझना पड़ता है। इसका परिणाम यह है कि जहाँ बड़ी कंपनियाँ नीति सुधारों का लाभ उठा रही हैं, वहीं MSME अपनी पुरानी प्रशासनिक जंजीरों में जकड़ी हुई हैं।

संरक्षण बनाम प्रतिस्पर्धा

स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक दशकों में MSME को बचाने की नीति अपनाई गई थी। कई वस्तुओं का उत्पादन केवल इन्हीं के लिए आरक्षित रखा गया, ताकि वे बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा से बच सकें। उन्हें सस्ती दर पर ऋण, सब्सिडी, और टैक्स राहत दी गई। यह नीति उस दौर में आवश्यक थी, पर समय के साथ इसका एक नकारात्मक प्रभाव भी सामने आया — MSME आत्मनिर्भर होने के बजाय संरक्षण पर निर्भर बन गए। प्रतिस्पर्धा से बचने की मानसिकता ने उन्हें जोखिम उठाने और आकार बढ़ाने से रोका। नतीजतन, ये इकाइयाँ धीरे-धीरे टेक्नोलॉजी, प्रबंधन, विपणन और गुणवत्ता मानकों में पिछड़ती चली गईं।

वित्तीय चुनौतियाँ: ऋण है पर पहुँच नहीं

MSME की सबसे बड़ी बाधा वित्तीय संसाधनों तक पहुँच है। हालाँकि सरकार ने मुद्रा योजना, CGTMSE, PMEGP जैसी योजनाएँ चलाईं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर अधिकांश सूक्ष्म इकाइयाँ अब भी बैंक ऋण से वंचित हैं। RBI के आँकड़े बताते हैं कि MSME को कुल कॉर्पोरेट ऋण का मात्र 17-18 प्रतिशत हिस्सा ही मिलता है। कारण — बैंक इन्हें उच्च जोखिम वाला मानते हैं, गारंटी व जमानत की मांग करते हैं, और ऋण प्रक्रिया में विलंब करते हैं। इसी वजह से MSME महंगे ब्याज दरों पर अनौपचारिक स्रोतों से कर्ज़ लेने पर मजबूर हैं।

तकनीकी पिछड़ापन और नवाचार की कमी

अधिकांश MSME पुरानी तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। ऑटोमेशन, डिजिटलीकरण, रिसर्च और डेवलपमेंट में इनका निवेश बहुत सीमित है। इस कारण से उत्पादकता कम रहती है और ये वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा नहीं बन पाते।

भारत में अभी तक बहुत कम MSME ऐसे हैं जो Industry 4.0 की दिशा में बढ़ सके हैं। यहाँ पर Skill Development और Technology Upgradation Fund जैसी योजनाएँ मददगार हो सकती हैं, लेकिन इनका लाभ सीमित क्षेत्रों तक सिमटा हुआ है।

प्रबंधन और विपणन की कमी

MSME क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा परंपरागत व्यापारियों द्वारा संचालित है, जिनमें औपचारिक प्रबंधन प्रशिक्षण की कमी होती है। उन्हें ब्रांडिंग, डिज़ाइन, डिजिटल मार्केटिंग, एक्सपोर्ट प्रमोशन जैसी आधुनिक रणनीतियों का ज्ञान नहीं होता। नतीजतन, उनके उत्पाद स्थानीय बाज़ारों तक सीमित रह जाते हैं। भारत सरकार का GeM (Government e-Marketplace) पोर्टल इस दिशा में एक अच्छा कदम है, जहाँ MSME अपने उत्पादों को सरकारी विभागों को सीधे बेच सकते हैं। परंतु अब भी बहुत से उद्योग इससे अनजान या असंगठित हैं।

वैश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा का दबाव

1991 के बाद जब भारत ने अपने बाज़ार खोले, तब विदेशी कंपनियाँ आधुनिक तकनीक, सस्ते उत्पादन और बेहतर प्रबंधन के साथ उतरीं। MSME के सामने दोहरी चुनौती खड़ी हुई — विदेशी उत्पादों की सस्ती कीमत, और घरेलू बड़ी कंपनियों की पैमाने की अर्थव्यवस्था (Economies of Scale)। इस प्रतिस्पर्धा में कई छोटे उद्योग बंद हो गए या अनौपचारिक सेक्टर में चले गए। इससे उत्पादन क्षमता और रोज़गार दोनों प्रभावित हुए।

'Ease of Doing Business' को ज़मीन पर लाने की ज़रूरत

सिर्फ रैंकिंग सुधारने से काम नहीं चलेगा; असल सुधार तभी होंगे जब नियमों की सरलता वास्तव में उद्योग तक पहुँचे। इस दिशा में निम्न ठोस कदम आवश्यक हैं: Single Window Clearance System को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए। State-level reforms को केंद्र के समान प्राथमिकता दी जाए। Inspection और लाइसेंस सिस्टम में मानवीय हस्तक्षेप घटाया जाए। GST और कर प्रणाली को MSME के अनुरूप सरल बनाया जाए। Time-bound approvals और faceless assessment लागू हो। क्रेडिट गारंटी फंड का दायरा बढ़ाया जाए ताकि बैंकिंग जोखिम घटे। Startup और MSME के बीच सहयोग मॉडल तैयार हो।

डॉलर सिक्के पर ट्रंप की तस्वीर: क्या अमेरिका अपने लोकतांत्रिक आदर्शों से भटक रहा है?

-क्या दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब व्यक्तिपूजा की ओर बढ़ रहा है?

अमरीका में इन दिनों एक प्रस्ताव चर्चा में है जिसने वहां की राजनीति, संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं — तीनों को एक साथ झकझोर कर रख दिया है। यह प्रस्ताव है अगले वर्ष अमरीका की 250वीं वर्षगांठ (सेसक्विसेंटेनियल एनिवर्सरी) पर जारी किए जाने वाले डॉलर सिक्के पर पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तस्वीर अंकित करने का।

यह विचार जितना रोमांचक लग सकता है, उतना ही विवादास्पद और संवैधानिक पेचीदगियों से भरा हुआ भी है। क्योंकि, अमेरिकी परंपरा और कानून दोनों के अनुसार — किसी जीवित व्यक्ति की छवि अमेरिकी मुद्रा पर नहीं छप सकती।

250वीं वर्षगांठ का ऐतिहासिक अवसर

साल 2026 अमरीकी इतिहास में बेहद ख़ास होने वाला है। यह वह वर्ष होगा जब संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी स्थापना के 250 वर्ष पूरे करेगा। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोहों, स्मारकों और विशेष प्रकाशनों की तैयारी चल रही है।

अमरीकी मिंट (U.S. Mint) यानी सिक्का निर्माण विभाग ने पहले से ही कई स्मारक सिक्कों की श्रृंखला की घोषणा की है। इनमें से एक प्रस्ताव यह भी है कि एक विशेष डॉलर सिक्का जारी किया जाए जो “अमेरिका की नई ऊर्जा और पुनर्जागरण” का प्रतीक बने। इसी बीच, कुछ रिपब्लिकन सांसदों और ट्रंप समर्थक संगठनों ने सुझाव दिया कि इस स्मारक सिक्के पर डॉनल्ड ट्रंप की छवि अंकित की जाए — उन्हें “अमेरिकी राष्ट्रवाद और शक्ति के प्रतीक” के रूप में प्रस्तुत करते हुए।

प्रस्तावित सिक्के का डिजाइन

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जो प्रारंभिक डिज़ाइन सामने आए हैं, उनमें सिक्के के पिछले हिस्से (reverse side) पर ट्रंप की छवि है — वह हवा में लहराते अमेरिकी झंडे के सामने मुट्ठी उठाए खड़े हैं, उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और गर्व झलकता है। वहीं सामने वाले हिस्से (obverse side) पर उनके सिर की उभरी हुई आकृति दिखाई देती है — सजे हुए बालों के साथ, और नीचे चार शब्द उकेरे गए हैं: “In God We Trust” (अर्थात “हम ईश्वर में विश्वास रखते हैं”)। डिज़ाइन के मुताबिक़, यह सिक्का ट्रंप के कार्यकाल और उनकी “अमेरिकी पुनर्जागरण” नीति का प्रतीक माना जा रहा है।

कानूनी और संवैधानिक अड़चनें

लेकिन यह प्रस्ताव केवल कलात्मक या राजनीतिक विचार नहीं है — यह कानूनी संकट भी खड़ा करता है।

अमरीका के मौजूदा कानून के अनुसार, “किसी जीवित व्यक्ति की छवि अमेरिकी मुद्रा पर नहीं लगाई जा सकती।” यह नियम 31 U.S. Code § 5112(d)(2) में स्पष्ट रूप से दर्ज है, जो अमेरिकी सिक्का निर्माण से संबंधित कानूनी प्रावधानों को नियंत्रित करता है।

कानून कहता है कि — “No portrait or likeness of a living person may be used on any coin, currency, or medal issued by the United States.” अर्थात — “किसी भी जीवित व्यक्ति का चित्र या समानता अमेरिकी सिक्कों, नोटों या पदकों पर नहीं लगाई जा सकती।” इस नियम का मक़सद यह था कि अमेरिकी लोकतंत्र में किसी व्यक्ति विशेष को राजा या सर्वोच्च सत्ता की तरह प्रतीकात्मक स्थान न मिले। संविधान निर्माताओं का मानना था कि अगर जीवित राष्ट्राध्यक्ष की तस्वीर मुद्रा पर होगी, तो वह “राजशाही की परंपरा” जैसी प्रतीति देगी।

संस्थापकों की सोच: राजशाही से दूरी

अमरीका के संस्थापकों ने ब्रिटिश राजशाही के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम लड़ा था। वे यह भलीभांति जानते थे कि ब्रिटेन में राजा या रानी की तस्वीरें सिक्कों और नोटों पर छपती हैं, जो सत्ता और ईश्वर के बीच सीधा संबंध दिखाने का प्रतीक माना जाता था।

जेम्स मैडिसन, जो अमेरिका के चौथे राष्ट्रपति और संविधान के प्रमुख निर्माताओं में से एक थे, उन्होंने इस विचार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि — “Living heads on coins smell of monarchy.” (अर्थात — सिक्कों पर जीवित चेहरों की तस्वीरें राजसत्ता की गंध देती हैं।) इसलिए अमेरिकी मुद्रा पर हमेशा ऐसे व्यक्तियों की तस्वीरें छापी गईं जो या तो लंबे समय पहले गुजर चुके हों, या अमेरिकी राष्ट्र की ऐतिहासिक धरोहर माने जाते हों — जैसे जॉर्ज वॉशिंगटन, अब्राहम लिंकन, थॉमस जेफरसन आदि।

क्या ट्रंप अपवाद बन सकते हैं?

अब सवाल यह है कि क्या ट्रंप इस नियम के अपवाद बन सकते हैं? कुछ समर्थकों का कहना है कि यदि सिक्का “स्मारक या सीमित संस्करण” के रूप में जारी किया जाए, तो यह नियम लागू नहीं होता। वे तर्क देते हैं कि स्मारक सिक्के (commemorative coins) अक्सर कांग्रेस की मंजूरी से जारी किए जाते हैं और उनके डिज़ाइन में विशेष परिस्थितियों में “जीवित व्यक्तियों” की छवि भी हो सकती है — बशर्ते कि कांग्रेस विशेष अधिनियम पारित करे। लेकिन यहाँ एक समस्या यह है कि 2026 के स्मारक सिक्कों से संबंधित अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है, और उसमें स्पष्ट लिखा है कि — “No living person shall appear on the reverse or obverse of any coin issued under this Act.” (अर्थात — इस अधिनियम के अंतर्गत जारी किसी भी सिक्के के आगे या पीछे जीवित व्यक्ति की तस्वीर नहीं होगी।) इसलिए यदि ट्रंप की छवि डालनी है, तो इसके लिए नया विधेयक लाना होगा और उसे कांग्रेस के दोनों सदनों से पारित कराना होगा। यह एक लंबी प्रक्रिया है और मौजूदा राजनीतिक माहौल में बेहद कठिन भी।

राजनीतिक अर्थ: ट्रंप की ‘अमरीकी पहचान’ बनाम परंपरा

इस प्रस्ताव को लेकर देश में गहरी राजनीतिक विभाजन रेखा खिंच गई है। ट्रंप समर्थक इसे “अमेरिकी राष्ट्रवाद का सम्मान” बताते हैं, जबकि विरोधी इसे “लोकतंत्र के प्रतीकवाद पर हमला” मानते हैं। रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं का कहना है कि — “डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया, सीमाओं की रक्षा की, और वैश्विक मंच पर अमेरिका की ताकत को फिर से स्थापित किया। ऐसे में 250वीं वर्षगांठ पर उनका चित्र राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बन सकता है।” दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक पार्टी और स्वतंत्र विद्वान इस प्रस्ताव को “राजनीतिक आत्म-पूजा” और “संविधान की भावना का अपमान” बता रहे हैं। उनका कहना है कि अमेरिका में मुद्रा पर छपे चेहरे किसी व्यक्ति की शक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र की नैतिक और ऐतिहासिक विरासत के प्रतीक होते हैं — और ट्रंप जैसे विवादास्पद नेता का चित्र लगाना उस विरासत को धूमिल करेगा।।

एआइ को लेकर सामाजिक चिंताएं गैर वाजिब नहीं:

एमआईटी रिपोर्ट ने उजागर किया तकनीकी भ्रम का सच

आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आज के दौर का सबसे चर्चित, रोमांचक और साथ ही सबसे विवादास्पद विषय बन चुका है। एक ओर इसे मानव सभ्यता की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है, तो दूसरी ओर इससे उपजे सामाजिक, नैतिक और आर्थिक खतरे भी लोगों को सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। जब किसी तकनीक से उम्मीदें बहुत ऊंची हो जाती हैं, तो उसके नतीजों से निराशा भी उतनी ही गहरी होती है। यही हाल फिलहाल एआई का है। हाल ही में एमआईटी (मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) की एक रिपोर्ट ने एआई को लेकर चल रही ‘जादुई उम्मीदों’ पर ठंडा पानी डाल दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 95 प्रतिशत कंपनियों को एआई से कोई उल्लेखनीय लाभ नहीं हुआ। यहां तक कि अरबों डॉलर खर्च करने के बावजूद अधिकतर संस्थान उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। यह सिर्फ एक तकनीकी या आर्थिक नाकामी नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक विश्वास पर भी सवाल खड़ा करती है जो मानवता ने एआई पर जताया है।

एआई: अलादीन का चिराग या भ्रम का गुब्बारा?

जब एआई का विस्तार शुरू हुआ, तब इसे लगभग ‘अलादीन का चिराग’ कहा गया। हर समस्या का समाधान, हर कठिनाई का हल और हर प्रक्रिया की गति बढ़ाने का वादा—सब एआई से जुड़ गया। ऐसा लगा कि अब इंसान को सोचने, निर्णय लेने और रचनात्मकता दिखाने की ज़रूरत ही नहीं पड़ेगी, मशीनें सब संभाल लेंगी। लेकिन एमआईटी की रिपोर्ट इस धारणा को चुनौती देती है। अरबों डॉलर निवेश के बावजूद 95 प्रतिशत कंपनियों का लाभ न कमा पाना यह दर्शाता है कि एआई का वास्तविक उपयोग अब भी शुरुआती दौर में है। या यूं कहें कि तकनीक जितनी तेज़ी से आगे बढ़ी, उतनी ही धीमी गति से इंसान उसकी समझ में आगे बढ़ पाया।

एआई की विफलता के कारण:

एमआईटी की रिपोर्ट ने इस सवाल का जवाब खोजने की कोशिश की कि आखिर क्यों एआई, अपने विशाल प्रचार के बावजूद, ठोस परिणाम नहीं दे पाया।

टेक कंपनियों की अवास्तविक उम्मीदें: कई कंपनियों ने यह मान लिया कि एआई अपनाते ही उनका उत्पादन दोगुना और लागत आधी हो जाएगी। लेकिन यह नजरिया गलत साबित हुआ। एआई कोई जादू नहीं, बल्कि एक साधन है जिसे सही डेटा, सही रणनीति और प्रशिक्षित मानव संसाधन की ज़रूरत होती है।

इंटीग्रेशन की दिक्कतें (Integration Challenges): अलग-अलग सिस्टम, सॉफ्टवेयर या प्रक्रियाएं एक-दूसरे से तालमेल नहीं बैठा पा रहीं। एआई को किसी कंपनी की संरचना में समाहित करना आसान नहीं है। एक छोटे से तकनीकी असंतुलन से पूरा सिस्टम गड़बड़ा सकता है।

डेटा की गुणवत्ता की समस्या: एआई का पूरा ढांचा डेटा पर टिका है। अगर डेटा ही अधूरा या गलत है, तो एआई का आउटपुट भी त्रुटिपूर्ण होगा। बहुत-सी कंपनियों ने यह गलती की कि उन्होंने बिना डेटा क्लीनिंग और वेलिडेशन के एआई को लागू कर दिया।

लागत में अप्रत्याशित वृद्धि: शुरुआती निवेश के अलावा रखरखाव, ट्रेनिंग और अपडेट की लागत ने कंपनियों की आर्थिक स्थिति पर बोझ डाल दिया। जो मुनाफा सोचा गया था, वह खर्च में तब्दील हो गया।

मानव संसाधन की कमी: एआई को चलाने और समझने के लिए प्रशिक्षित लोगों की जरूरत होती है। भारत जैसे देशों में तो यह कमी और भी बड़ी है। कंपनियां मशीन खरीद लेती हैं, लेकिन उसके ऑपरेशन के लिए योग्य दिमाग नहीं मिलते।

इंसानों से अपनी बात मनवाने की ताकत: नई चेतावनी

एमआईटी की रिपोर्ट के अलावा हाल के कुछ शोध यह भी दिखाते हैं कि एआई न सिर्फ डेटा प्रोसेसिंग में सक्षम है, बल्कि अब वह इंसानों को प्रभावित करने की दिशा में भी बढ़ रहा है। कई प्रयोगों में पाया गया है कि चैटबॉट्स और एआई सिस्टम्स मानवों के निर्णयों को प्रभावित करने में सक्षम हैं—चाहे वह खरीदारी का निर्णय हो, राजनीतिक राय हो या भावनात्मक प्रतिक्रिया। यह स्थिति चिंताजनक है। यदि मशीनें मनुष्यों की सोच पर हावी होने लगीं, तो लोकतंत्र, स्वतंत्र निर्णय और नैतिक मूल्यों की जड़ें हिल सकती हैं। यह वही बिंदु है जहां से तकनीक इंसान की मददगार से उसकी मालिक बन जाती है।

सामाजिक और नैतिक चिंताएं

एआई की असफलता से ज्यादा डर उसकी सफलता से जुड़ा हुआ है। जब कोई तकनीक इतनी शक्तिशाली हो जाए कि वह निर्णय, राय और भावनाएं तय करे, तो सवाल उठता है —

क्या इंसान अपनी स्वतंत्रता बचा पाएगा?

रोजगार का संकट: सबसे बड़ी सामाजिक चिंता यही है कि एआई नौकरियां निगल रहा है। खासकर मैनुअल और मध्यम कौशल वाले क्षेत्रों में एआई ने इंसानों की जगह लेना शुरू कर दिया है।

निजता का हनन (Privacy Breach): एआई डेटा से संचालित होता है। लेकिन यह डेटा आखिर कहां से आता है? हमारी चैट, सर्च हिस्ट्री, फोटोज़, वॉइस—सबकुछ रिकॉर्ड और विश्लेषित किया जाता है। निजता अब लगभग एक भ्रम बन चुकी है।

पक्षपात और भेदभाव (Bias and Discrimination): एआई ‘निष्पक्ष’ नहीं है। अगर उसे सिखाया गया डेटा पक्षपाती है, तो वह उसी दिशा में निर्णय लेगा। इससे जाति, लिंग या नस्ल के आधार पर भेदभाव बढ़ने का खतरा है।

मानव संबंधों पर असर: जब बातचीत, सहानुभूति और निर्णय का काम मशीनें करने लगेंगी, तो इंसानी जुड़ाव कमजोर पड़ जाएगा। यह सामाजिक **ताने-बाने के लिए गंभीर खतरा है।**

राजनीतिक दुरुपयोग: चुनावों में फेक न्यूज़, डीपफेक वीडियो और एल्गोरिदमिक टारगेटिंग के ज़रिए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशें पहले से जारी हैं। एआई ने इस खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है।

क्या सच में एआई बेअसर है?

हालांकि 95 प्रतिशत कंपनियों का नतीजा निराशाजनक रहा है, लेकिन यह पूरी कहानी नहीं है। बाकी 5 प्रतिशत कंपनियां, जिन्होंने एआई को सही समझा, अपनाया और अपने सिस्टम में संतुलित ढंग से जोड़ा, वे अद्‌त परिणाम पा रही हैं। हेल्थकेयर में एआई: निदान और उपचार के निर्णयों में एआई डॉक्टरों की मदद कर रहा है। कृषि में एआई: फसल की सेहत और मौसम की भविष्यवाणी में एआई किसानों का सहायक बन रहा है। शिक्षा में एआई: बच्चों के सीखने की गति और रुचि के अनुसार व्यक्तिगत शिक्षण संभव हो रहा है।

रोहित गोदारा गैंग का शूटर महिला के कपड़ों में गिरफ्तार, 3 देसी पिस्टल बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में सक्रिय कुख्यात रोहित गोदारा गैंग को बड़ा झटका लगा है। बहरोड़ पुलिस ने मंगलवार को इस गैंग से जुड़े एक शूटर को गिरफ्तार किया, जिसने गिरफ्तारी से बचने के लिए महिला के कपड़े पहनकर भागने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी से 3 देसी पिस्टल, 12 जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद की है। एसपी बहरोड़ देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक उर्फ बटार (21) पुत्र पप्पू राम गुर्जर निवासी मोलाहेड़ा थाना पनियाला के रूप में हुई है। वह लंबे समय से फरार था और उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह बहरोड़ इलाके में किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की क्यूआरटी (Quick Response Team) ने इलाके की घेराबंदी की। खुद को बचाने के लिए अभिषेक ने घाघरा-लूगड़ी पहनकर महिला का भेष बनाया और भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की सतर्कता से वह पकड़ा गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह बदमाश कोटपूतली थाने के एक गंभीर मामले में भी वांछित था और उसके खिलाफ 8 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से तीन देशी पिस्तौल, बारह जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद की। शुरुआती पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेस हाइवे पर किसी व्यापारी को लूटने की फिराक में था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि उसे हथियार कहां से मिले और गैंग के बाकी सदस्यों से उसका संपर्क किस तरह का था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस कार्रवाई में क्यूआरटी कोटपूतली टीम के कॉन्स्टेबल मनोज कुमार और क्यूआरटी बहरोड़ के कॉन्स्टेबल बलदेव की विशेष भूमिका रही। दोनों ने पीछा करते हुए आरोपी को पकड़ने में अहम योगदान दिया।

फिलहाल बहरोड़ थाना पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत नया मामला दर्ज किया है। अधिकारी उम्मीद जता रहे हैं कि पूछताछ के दौरान रोहित गोदारा गैंग की कई अन्य गतिविधियों का भी खुलासा हो सकता है।

रीको द्वारा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स का निर्माण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा में रीको द्वारा 4,167 वर्गमीटर पर फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स (Plug & Play) का निर्माण किया गया है। रीको की राज्य में यह इस तरह की पहली परियोजना है जिसमें उद्यमियों को लाइसेंस फीस पर मॉड्यूल्स का ऑनलाइन आवंटन होगा जिसका मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को शीघ्र इकाई की स्थापना के लिये रेडी टू मूव मॉडयूल्स उपलब्ध कराना है। इस योजना की अनुमानित लागत रूपये 25 करोड़ में से भारत सरकार द्वारा एमएसई-सीडीपी योजना के अन्तर्गत कुल 10.23 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया गया। इस फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स में मॉड्यूल के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यालय, बैंक, प्रशिक्षण कक्ष, सभा कक्ष एवं कैंटीन, मालवाहक तथा यात्री लिफ्ट इत्यादि की सुविधाओं का निर्माण भी किया गया है। इस बिल्डिंग में कुल 33 मॉड्यूल (भूतल-3, प्रथम-10, द्वितीय-10 एवं तृतीय-10) का निर्मित किये गये है, जिनमें सभी में पेन्ट्री की सुविधा हेतु निर्मित क्षेत्रफल भी बनाया गया है। रीको द्वारा फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स (Plug & Play) में रेडी टू मूव मॉडयूल्स सुविधा के अंतर्गत सूक्ष्म उद्योगों जिनका टर्नओवर 05 करोड़ से अधिक ना हो, को गारमेन्ट एण्ड अपैरल उद्योग के लिए विभिन्न क्षेत्रफल 1236 से 1566 वर्गफीट का बिल्टअप स्पेस उपलब्ध करवाया जायेगा, जिससे वे अपना उद्योग तत्काल शुरू कर सकेंगे। इस कॉम्पलेक्स में सूक्ष्म उद्यमियों को (जिनका टर्नओवर 05 करोड़ से अधिक ना हो) को रूपये 18/- प्रति वर्गफीट से लाइसेंस फीस के आधार पर मॉड्यूल्स को ई-बिडिंग के माध्यम से प्राप्त दरों पर लाईसेंस आधार पर 01 से 07 वर्ष की अवधि के लिये आवंटित किया जावेगा। इस हेतु रीको द्वारा पृथक से एक पोर्टल बनाया गया है, जिसे दिनांक 24.10.2025 से प्रारम्भ किया जा रहा है। इस पोर्टल पर SSO ID के माध्यम से इच्छुक उद्यमी दिनांक 24.10.2025 से 03.11.2025 को सायं 06.00 बजे तक ईएमडी राशि जमा करवाकर दिनांक 04.11.2025 को प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक ई-बिडिंग में भाग लेकर रेडी टू मूव मॉड्यूल प्राप्त कर सकते है। प्रथम चरण में प्रथम तल से तृतीय तल पर निर्मित कुल 30 मॉड्यूल्स का लाईसेंस आधार पर गारमेन्ट एण्ड अपैरल उद्योग के उद्यमियों को आवंटन किया जाना प्रस्तावित है। इन 30 मॉड्यूल्स में से 06 मॉड्यूल्स विभिन्न श्रेणी जैसेः महिला, अनुसूचित जाति/जन जाति, भूतपूर्व सैनिक, विशेष योग्यजन के लिये आरक्षित हैं। इस योजना के तहत मॉड्यूल्स के आवंटन से संबंधित नियम एवं शर्ते, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन से संबंधित जानकारी रीको की वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in अथवा www.riico.co.in भी उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिये रीको की हैल्पलाइन नंबर 0141-4593250 या रीको सीतापुरा इकाई कार्यालय के फोन नंबर 0141-2770208 या ईमेल sitapura@riico.co.in पर संपर्क किया जा सकता है।

पूर्व मंत्री के नाबालिग बेटे की ऑडी ने तीन गाड़ियों को मारी टक्कर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में मंगलवार को पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक राजकुमार शर्मा के नाबालिग बेटे ने तेज रफ्तार में ऑडी कार चलाते हुए तीन गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्विफ्ट कार सवार युवक और युवती घायल हो गए। हादसा प्रताप नगर थाना क्षेत्र के एनआरआई सर्किल पर हुआ। हादसे के बाद जब लोगों ने कार रुकवाई, तो आरोपी नाबालिग ने न केवल गाली-गलौज और मारपीट की, बल्कि धमकाते हुए कहा— "मेरा तुम लोग कुछ नहीं बिगाड़ सकते, रही बात गाड़ी की तो हम ठीक करवा देंगे।"

पीड़ित ने बताया—तेज रफ्तार में पीछे से मारी टक्कर

पीड़ित पुलकित पारीक, निवासी इंदिरा गांधी नगर, खोह-नागोरियान, ने रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी दोस्त सुरभि (रामनगरिया निवासी) के साथ उसके भाई के इलाज के लिए ब्लड लेकर ठाकुरिया हॉस्पिटल जा रहे थे। दोपहर करीब 2:11 बजे एनआरआई सर्किल पर उनकी स्विफ्ट कार को पीछे से एक तेज रफ्तार ऑडी ने टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑडी के एयरबैग खुल गए, और स्विफ्ट कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। हादसे में पुलकित और सुरभि दोनों घायल हो गए।

पूर्व मंत्री का बेटा बताकर दी धमकी

हादसे के बाद पुलकित ने आरोपी कार चालक को रोका, तो उसने गुस्से में आकर मारपीट शुरू कर दी। पुलकित के मुताबिक, "जब उससे नाम पूछा तो उसने खुद को पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक राजकुमार शर्मा का बेटा बताया। उसने कहा—'मेरा कुछ नहीं होगा।'" मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह आरोपी को काबू में किया और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस पर पक्षपात का आरोप, FIR में देरी

पीड़ित ने आरोप लगाया कि प्रताप नगर थाना पुलिस ने न तो मदद की, न ही आरोपी को पकड़ा। "हमें पुलिस ने अस्पताल तक नहीं पहुंचाया, हमें निजी गाड़ी से जाना पड़ा। आरोपी को मौके से ही छोड़ दिया गया और एफआईआर दर्ज करने में 5 घंटे की देरी की गई।"

कमिश्नर के दखल के बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

पीड़ित ने बताया कि जब थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई तो उन्होंने पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ से संपर्क किया। उनके हस्तक्षेप के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई। मामला भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 281 (लापरवाह ड्राइविंग) और 125(ए) (धमकी और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा) के तहत दर्ज हुआ। हालांकि पीड़ित का कहना है कि बुधवार शाम तक भी पुलिस या किसी अधिकारी ने संपर्क नहीं किया।

स्थानीयों में आक्रोश, न्याय की मांग

इस घटना ने इलाके में आक्रोश का माहौल बना दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस ने पूर्व मंत्री के प्रभाव में ढिलाई दिखाई है। लोगों ने मांग की है कि आरोपी नाबालिग पर जुवेनाइल एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाए और पुलिस की भूमिका की भी जांच हो।

दिगराज सिंह शाहपुरा ने न्याय प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

शाहपुरा/मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जनता के अधिकारों की रक्षा और किसानों के हितों की आवाज़ को मजबूत करने के उद्देश्य से कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने न्याय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि न्याय की यह राह लंबी जरूर है, लेकिन जनता के विश्वास और सहयोग से इसे पूरा किया जाएगा। राजस्थान रेरा प्राधिकरण द्वारा 05 अगस्त 2025 को पारित आदेश में संबंधित प्रमोटर को जमा राशि को ब्याज सहित लौटाने के निर्देश दिए गए हैं। यह निर्णय कई पीड़ित परिवारों के लिए राहत लेकर आया है। इस पूरे मामले में दिगराज सिंह शाहपुरा ने लगातार जनसुनवाइयों और प्रशासनिक स्तर पर संवाद के माध्यम से सहायता की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानूनी मामला नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और अधिकारों से जुड़ा विषय है। जब तक हर प्रभावित व्यक्ति को न्याय नहीं मिल जाता, प्रयास जारी रहेंगे।इस दौरान दिगराज सिंह शाहपुरा ने आगे बताया कि आने वाले समय में वे ऐसे मामलों में पारदर्शिता और जनसहभागिता बढ़ाने के लिए एक जनन्याय अभियान प्रारंभ करेंगे, जिसके माध्यम से पीड़ितों को विधिक

सहायता और प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। वही क्षेत्र के नागरिकों विक्रम धोलीवाल,ने उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जनसेवी कदम समाज में जागरूकता और भरोसा दोनों को मजबूत करते हैं।

'नव विधान' प्रदर्शनी का भव्य समापन

-गृह राज्य मंत्री बोले- अपराधियों का बचना अब नामुमकिन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित 'नव विधान-न्याय की पहचान' प्रदर्शनी का मंगलवार शाम भव्य समारोह में सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस 8 दिवसीय प्रदर्शनी में नए आपराधिक कानूनों की बारीकियों को आधुनिक पुलिस नवाचारों के माध्यम से जनता तक पहुंचाया गया। प्रदर्शनी की कुल डिजिटल और भौतिक पहुँच 1.8 करोड़ से अधिक रही, जो इसकी ऐतिहासिक सफलता को दर्शाती है।

समापन समारोह में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम मुख्य अतिथि रहे। समारोह में विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत तथा पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित महानिदेशक आनंद श्रीवास्तव संजय अग्रवाल, श्रीमती मालिनी अग्रवाल, निदेशक आरपीए एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एस. सेंगाथिर अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

न्याय में सुलभता और अपराध पर कठोर प्रहार—

जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि नए कानूनों से न्याय मिलने में सुलभता और समयबद्धता आई है, जिससे अपराधों के ग्राफ में भारी कमी आई है। उन्होंने जोर दिया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पदभार ग्रहण करने के बाद यही प्राथमिकता थी कि राजस्थान अपराध मुक्त बने और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। बेढम ने राजस्थान पुलिस की पूरी टीम को बधाई दी कि उन्होंने सिस्टम को अपग्रेड कर अपराध के खिलाफ प्रभावी प्रहार किया है। बेढम ने कहा नए कानून में तकनीकी साक्ष्य पर बल है, जिससे गवाहों के मुकरने की संभावना कम हो जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि डिजिटल तरीके से साक्ष्य उपलब्ध होने पर अपराधियों को कड़ी सजा मिलेगी और कोई भी अपराधी अब बच नहीं पाएगा।

टेक्नोलॉजी, कनेक्टिविटी और मॉनिटरिंग पर जोर—

भास्कर ए. सावंत ने कहा कि एक चुस्त-दुरुस्त आपराधिक न्याय प्रणाली स्थापित करने के लिए टेक्नोलॉजी, कनेक्टिविटी और हार्डवेयर अपग्रेड आवश्यक हैं, जिसमें यूआईटी की अहम भूमिका है। उन्होंने पुलिस को आपराधिक न्याय प्रणाली का सबसे बड़ा स्तंभ बताया और आश्वस्त किया कि तंत्र को मजबूत करने के लिए आने वाले प्रस्तावों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सावंत ने मॉनिटरिंग की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके लिए राज्य और जिला स्तर पर सिंपल डैशबोर्ड होना चाहिए ताकि तंत्र की प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

शताब्दी का सबसे बड़ा परिवर्तन और नई शुरुआत—

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने नए आपराधिक कानूनों को शताब्दी का सबसे बड़ा परिवर्तन बताया, जो औपनिवेशिक कानून को बदलकर देश को अपने लोगों द्वारा बनाए गए कानून दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी इस बदलाव के पीछे की सोच को दर्शाती है। डीजीपी ने ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़कर नए कानून की बारीकियों को समझने के लिए पुलिसकर्मियों की सराहना की । उन्होंने जोर दिया कि यह समापन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है, जिसमें पुलिस पारदर्शिता और तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को त्वरित और बेहतर न्याय दिलाना सुनिश्चित करेगी। शर्मा ने 'राजस्थान पुलिस सेवार्थ कटिबद्धता' का संकल्प दोहराया। आरंभ में आरपीए निदेशक एडीजीपी एस सेंगाथिर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रदर्शनी की विषयवस्तु और उपलब्धियों के बारे में बताया।

नए बिजली कनेक्शन ने रोशन की दीपावली

-मात्र 20 दिन में जारी किए 37,251 घरेलू विद्युत कनेक्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के विदृत वितरण निगमों ने दीपावली से पूर्व विशेष अभियान चलाकर प्रदेश में 37 हजार से अधिक घरों को बिजली से रोशन कर दिया। एक अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 37,251 घरेलू विदृत कनेक्शन जारी किए गए। इनमें जयपुर डिस्कॉम ने 17,373, अजमेर डिस्कॉम ने 15,433 तथा जोधपुर डिस्कॉम ने 4,445 घरेलू कनेक्शन जारी किए। डिस्कॉम प्रबंधन ने सर्किल अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश दिए थे कि कनेक्शन जारी करने के काम को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उन सभी आवेदकों को तत्काल कनेक्शन जारी किया जाए जिनमें डिमांड नोट जमा कराए जा चुके हैं। निगम के स्तर पर लंबित प्रकरणों के साथ-साथ नए प्रकरणों में दस्तावेज की जांच, साइट वेरीफिकेशन, डिमांड नोट जारी करने सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को त्वरित गति से सम्पादित कर यथाशीघ्र कनेक्शन प्रदान करने के निर्देश दिए गए। लक्ष्य एक ही था कि दीपावली से पूर्व कनेक्शन जारी किए जाएं ताकि आवेदक रोशनी के इस पर्व को दोगुने उत्साह से मना सकें। अधीक्षण अभियंताओं ने भी निचले स्तर तक इस कार्य की गहन मॉनिटरिंग की। मुख्यालय की मैटेरियल मैनेजमेंट विंग द्वारा मांग के अनुरूप सभी भंडार शाखाओं को मीटर, केबल सहित अन्य आवश्यक लाइन मैटेरियल उपलब्ध करा दिया गया, जिससे सामग्री की कमी बाधक नहीं बनी। कई सर्किलों में तो दीपावली की पूर्व संध्या तक भी कनेक्शन जोड़ने का काम प्राथमिकता के साथ चला। हिंडौन सब डिवीजन में निगम की ओर से आवेदन के एक घंटे के भीतर ही सर्विस लाइन कनेक्शन जारी करने के लिए शनिवार एवं रविवार को अवकाश के दिन भी विशेष शिविर लगाया गया। यहां आवेदन संबंधी समस्त प्रक्रिया पूर्ण करने के एक घंटे के भीतर ही विदृत निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर मीटर एवं सर्विस लाइन लगाकर विदृत आपूर्ति प्रारंभ कर दी। इसी तरह धौलपुर के राजाखेड़ा, धौलपुर शहर एवं ग्रामीण सब डिवीजनों में आवेदन के साथ ही तत्काल कनेक्शन उपलब्ध करा दिए।

जयपुर जिला सर्किल दक्षिण ने जारी किए सर्वाधिक कनेक्शन

जयपुर डिस्कॉम में इस दौरान 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक अलवर सर्किल में 1412, भरतपुर में 1334, दौसा में 765, जयपुर सिटी सर्किल नॉर्थ में 1547, जयपुर जिला सर्किल नार्थ में 1324, झालावाड़ में 470, कोटा में 435, सवाई माधोपुर में 501, धौलपुर में 634, बारां में 576, बूंदी में 689, करौली में 787, टोंक में 416, जयपुर सिटी सर्किल साउथ में 1382, जयपुर जिला सर्किल साउथ में 2680, भिवाड़ी में 802, कोटपूतली में 721 तथा डीग में 898 घरेलू कनेक्शन जारी किए गए।

अजमेर डिस्कॉम में सीकर सर्किल, जोधपुर डिस्कॉम में बीकानेर सर्किल ने जारी किए सर्वाधिक घरेलू कनेक्शन

अजमेर डिस्कॉम में 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक सर्वाधिक घरेलू कनेक्शन सीकर सर्किल में 2555, उदयपुर में 2028, भीलवाड़ा में 1571, बांसवाड़ा में 1183 और झुंझूनूं में 1164 जारी किए गए। इसी प्रकार, जोधपुर डिस्कॉम में भी इस समयावधि में बीकानेर सर्किल में 946, श्रीगंगानगर में 644, पाली में 624, जोधपुर सिटी में 462 और बालोतरा में 368 सर्वाधिक घरेलू कनेक्शन जारी किए गए।

बिशनगढ़,शाहपुरा (जयपुर) में आयोजित हुआ विराट कवि सम्मेलन

-कवि कल्याण को किया गया काव्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित

शाहपुरा/मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे में रविवार को रूप चतुर्दशी पर्व के पावन अवसर पर साहित्य ग्राम यात्रा फाऊंडेशन संस्था द्वारा विराट कवि सम्मेलन, कवि राजेश कोकड़ा के संयोजन, प्रशांत शर्मा व टीम के प्रबंधन, सरपंच रामनिवास यादव की अध्यक्षता एवं प्रोपर्टी डीलर रवि मीणा के मुख्य आतिथ्य में आम जनता बिशनगढ़ के आशीर्वाद से सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में बिशनगढ़ के ऐतिहासिक किले की प्राचीर तले ठाकुर जी श्री राधेकृष्ण जी की छत्रछाया में लगभग 15 कवि कवयित्रियों में देर शाम तक अपनी कविताओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। सम्मेलन का रोचक संचालन कवि कल्याण गुर्जर "कल्याण" ने करते हुए उक्त पंक्तियाँ पढ़ी।अपनी बारी आने पर काव्यपाठ के बाद उन्हें फाऊंडेशन की ओर से काव्य शिरोमणि सम्मान प्रदान किया गया।

कवि सम्मेलन में नागौर से आई सिया वैष्णव ने सरस्वती वंदना के बाद अपनी शेरो शायरी पर तालियाँ बटोरी,शिवम विशेष और प्रकाश प्रियम ने अपनी ग़ज़लों से समाँ बाँध दिया। उमेश चन्दर ने कृष्ण प्रेम पर तथा राजस्थानी में गीत पढ़कर और रूपेश असवाल ने बेटी को संदेश पर गीत सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।जयपुर से आई आशा बुनकर ने बेहतरीन तरन्नुम और शानदार अंदाज में प्रस्तुत अपने श्रृंगार रस के मुक्तक, छंद और गीतों से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। कवि गिरधारी सिंह गिरधर, राजेंद्र सजल, नरेश जिज्ञासु, सुनील सैन, समीर कुंभकार,सुरेश धमोरा ने भी उत्तम काव्यपाठ किया। स्थानीय कवि राजेश कोकड़ा व प्रशांत ने भी शानदार रचनाएँ प्रस्तुत की। कल्याण गुर्जर कल्याण ने बेहतरीन मुक्तक पढ़े एवं मोबाइल के दुरुपयोग पर राजस्थानी में शानदार और संदेशप्रद गीत पढ़ा। इस अवसर पर अध्यक्ष जी, सभी अतिथिगण, कविगण व ग्राम से तीन नव चयनित आर ए एस और खोरी से अधिकारी पद पर चयनित एक युवा के सम्मान के साथ साथ कवि कल्याण गुर्जर "कल्याण" को काव्य शिरोमणि सम्मान से नवाजा गया। इस दौरान युवा कवि राजेश कोकड़ा द्वारा साहित्य और काव्य को गाँवों तक पहुँचाने, मनोरंजन के लिए युवा वर्ग को सोशल मीडिया से दूर रखने और दुर्व्यसनों के खतरों के प्रति जागरूक करने के इस महनीय प्रयास की सभी ने भूरि भूरि प्रशंसा की। इस दौरान अंत में राजेश कोकड़ा ने समस्त प्रायोजकों, सहयोगियों, कविगण, श्रोताओं एवं आम जनता का आभार प्रदर्शन करते हुए सम्मेलन समापन की घोषणा की।

हाईकोर्ट ने गांजा तस्करी के आरोपी की जमानत खारिज की

-कहा— लग्जरी लाइफ के लालच में शिक्षित युवा बन रहे अपराधी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने गांजा तस्करी के आरोपी करण मेहरा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने इस फैसले में न सिर्फ आरोपी की जमानत को अस्वीकार किया बल्कि देश में बढ़ते ड्रग नेटवर्क और उसमें शामिल हो रहे शिक्षित युवाओं को लेकर गंभीर चिंता भी जताई।

जस्टिस अनिल उपमन की बेंच ने कहा कि अब ड्रग सिंडिकेट्स का नया चेहरा सामने आ रहा है। ये माफिया शिक्षित और सम्पन्न परिवारों के युवाओं को निशाना बना रहे हैं। उन्हें आसान पैसे, विदेश यात्राओं और विलासितापूर्ण जीवन के लालच से फंसाया जाता है। अदालत ने टिप्पणी की—"शिक्षित युवा अब ड्रग उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि ड्रग कूरियर और माफिया नेटवर्क का हिस्सा बनते जा रहे हैं।"

कोर्ट ने कहा कि ये युवाओं के भोलेपन और त्वरित धन की चाह का फायदा उठाते हैं। जब वे इस जाल में फंस जाते हैं तो नशे की लत के साथ उनका पूरा करियर बर्बाद हो जाता है। अदालत ने इस प्रवृत्ति को "समाज के लिए गंभीर खतरा" बताते हुए कहा कि कानून को ऐसे मामलों में सख्त रवैया अपनाना होगा।

मामला जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का है, जहां कस्टम अधिकारियों ने अमृतसर निवासी करण मेहरा को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 18.534 किलो गांजा बरामद हुआ था। जांच में पता चला कि यह साधारण गांजा नहीं, बल्कि विदेशों में नियंत्रित वातावरण में उगाई जाने वाली 'हाइड्रोपोनिक वीड' नामक अत्यधिक प्रभावशाली ड्रग थी, जिसकी कीमत करीब 18 करोड़ रुपए आंकी गई।

आरोपी की ओर से दलील दी गई कि उसे झूठा फंसाया गया है और वह लंबे समय से न्यायिक अभिरक्षा में है। बचाव पक्ष ने कहा कि चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और बरामद मात्रा वाणिज्यिक सीमा से कम है, इसलिए जमानत दी जानी चाहिए। लेकिन अदालत ने इस तर्क को अस्वीकार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा—"जब उच्च शिक्षित और सम्पन्न परिवारों के युवा भी अपराध के रास्ते पर चलने लगें, तो यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है।" अदालत ने जांच एजेंसियों को ऐसे नेटवर्क की गहराई से जांच करने और युवाओं में नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाने की जरूरत बताई।

दीपावली पर्व इस बार क्षेत्र में उल्लास, उमंग और भाईचारे के अद्भुत माहौल के साथ मनाया गया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय कस्बे सहित आसपास के समूचे क्षेत्र में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मे मनाया गया। शुभ मुहूर्त पर पूजा अर्चना कर सुख शांति व भारत देश की सलामती की कामनाएं की गई इसके बाद रामा श्यामा व सेल्फ़ी का दौर चला जोकि देर रात्रि तक चला। बस स्टैंड से लेकर गांधी चौक तक पूरा बाजार रोशनी से जगमगा उठा। हर गली, हर दुकान पर दीपों और झालरों की चमक ने मानो स्वर्गिक नज़ारा बना दिया। इसी दौरान थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा मय जाप्ता क्षेत्र में निकले और व्यापारियों से मुलाकात की। व्यापारियों ने अपने बीच पहुंचे थाना प्रभारी का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। गुलाब की पंखुड़ियों से स्वागत हुआ तो तालियों की गड़गड़ाहट से बाजार गूंज उठा। इस अवसर पर एएसआई राजेश सहित पुलिस टीम मौजूद रही। व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष डी.के. सोनी और समाजसेवी विमल केशुका ने भी थाना प्रभारी का स्वागत कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। त्योहार के मौके पर बाजार में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी। दीप, पटाखे, लाइटों की लड़ी और रंग-बिरंगी फेरियों से सजा बाजार आकर्षण का केंद्र बना रहा। हर व्यापारी ने अपनी दुकान को विशेष रूप से सजाया,कहीं झिलमिलाते दीप, कहीं रंगोली और कहीं सुनहरी झालरें लोगों को अपनी ओर खींचती नजर आईं। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष डीके सोनी,संदीप सोनी, राहुल राजपुरोहित,गोपाल सैनी शाहपुरा तहसील अध्यक्ष,रोहिताश सैनी, स्वरूप राजपुरोहित, विमल केशुका मामराज जाँगिड़ सहित अन्य ने बताया कि इस बार दीपावली पर लोगों का उत्साह और जोश पहले से कहीं अधिक रहा। सुरक्षा और सौहार्द का संदेश देते हुए पुलिस और जनता के बीच इस तरह का संवाद दीपावली को और भी यादगार बना गया। इस दौरान हिन्द मुस्लिम एक दूसरे को भाईचारा दिखाते हुए एक दूजे को गले मिलकर दीपावली पर्व की बधाईयां दी और मिठाई खिलाई गई।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

दहेज प्रथा को रोकने के लिए की अनूठी पहल

-तेली समाज की पहली शादी जो बिना दहेज़, बिना डीजे, बैंड बाज के सम्पन्न हुई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर तेली समाज की ओर से अनूठी पहल की गई चूरू निवासी सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाने वाले कौम तेलियान के पूर्व सदर मरहूम लाल मोहम्मद ठेकेदार के पोते रियाजुद्दीन गौरी के पुत्र एजाज अहमद की शादी चूरू निवासी समाजसेवी मरहूम कुरडा चौहान की पौत्री तथा महबूब चौहान की पुत्री आफरीन के साथ सम्पन्न हुई, शादी में दहेज का लेन देन ना कर 1 रुपए व नारियल लेकर शादी कर अनूठी मिसाल पेश की गई तथा बारात में महिला एवं पुरूषों सहित मात्र 25 व्यक्तियों ने शिरकत की ओर बारात दिन में मंडप में पहुंची और खाने से पहले निकाह की रस्म अदा हुई बैंड, बाजा, डीजे, सभी पर रोक रही, बड़ी ही सादगी के साथ मुस्लिम तैली समाज में हुई इस शादी के माध्यम से समाज के लिए एक अनूठा उदाहरण एवं अनुठी व अनुकरणीय मिशाल पेश की है। इस शादी से पूर्व भी कौम तेलियान के पूर्व सदर मरहूम लाल मोहम्मद ठेकेदार के पौते फय्याज गौरी की शादी में मात्र एक रूपया व नारियल में शादी कर समाज के समक्ष एक अनुठी मिशाल पेश की थी इसी का समाज के अन्य लोगों द्वारा अनुसरण करना एक अच्छी पहल की जा रही है जिसका समाज के लोगों के द्वारा भी सराहना की जा रही है। दोनों परिवारों ने मिलकर दहेज लेन-देन के कार्य एवं रीति को वर्जित करते हुए समाज को एक नई दिशा दी। डॉक्टर साजिद चौहान ने कहा कि समाज में अनेकों कुरीतियों को जड़ से खत्म करने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के इस प्रयास से समाज में जागृति आएगी, उन्होंने सभी से इस सकारात्मक सोच को अपनाने का आह्वान किया। समाज के लोगों ने भी कहा कि सामाजिक कुरीतियों के कारण हम गलत दिशा में जा रहे है, हमें कुरीतियों को मिटाने का प्रयास किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि वे समाज व रिश्तेदारों को भी दहेज प्रथा समाप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे। परिवार के सलीम गोरी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया।

पुलिस शहीद दिवस पर चूरू में आयोजित हुआ परेड

- वृक्षारोपण व रक्तदान शिविर शहीद पुलिस जवानों को किया गया नमन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पुलिस शहीद दिवस के उपलक्ष में पुलिस लाइन चूरू में प्रातः 7:30 बजे परेड का आयोजन हुआ। परेड के तुरंत पश्चात शहीद हुए पुलिस कर्मियों की स्मृति में साफ-सफाई अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद पुलिस हेल्थ केयर सेंटर चूरू में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। रक्तदान शिविर में 16 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। पुलिस विभाग के अनेक जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान करने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक जय यादव ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डी.बी. अस्पताल चूरू की टीम भी मौजूद रही और उन्होंने रक्त संग्रह की जिम्मेदारी निभाई।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक जय यादव ने कहा कि"वीर जवानों की शहादत को हम नमन करते हैं। उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, उनसे प्रेरणा लेकर आज के पुलिसकर्मी भी हर परिस्थिति में देश और जनता की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।" कार्यक्रम में एएसपी सतपाल सिंह, सीओ सुनील झाझड़िया, सीआई सुखराम चोटिया (कोतवाली), सीआई शंकरलाल (क्राइम ब्रांच), एसएचओ बलवंत सिंह (सदर चूरू), आरआई चौथमल, एलओ विजयपाल सिंह, मेजर गिरधारीलाल, सब इंस्पेक्टर जगदीश राम व किशनाराम सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

श्वेताम्बर जैन समाज ने चढावा महावीर स्वामी के निर्वाण का लड्डू

बारां (रॉयल पत्रिका)। श्री चन्द्रप्रभू जैन मंदिर अध्यक्ष राजेन्द्र रंगावत, गुणवर्धन शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ ट्रस्ट अध्यक्षा श्रीमती उर्मिला जैन भाया ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर समाज बंधुओं द्वारा लड् चढाया गया। कोषाध्यक्ष गौतम मारू, अशोक बोरडिया, गौतम बोरडिया ने बताया कि प्रातः 6 बजे श्री चन्द्रप्रभू जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर लड् चढाया गया तथा इसके उपरान्त कोटा रोड पर ग्राम बमूलिया के निकट स्थित जैन तीर्थ पर प्रातः 7.30 बजे जैन भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर निर्वाण का लड् चढ़ाया। इस दौरान सकल श्रीसंघ उपस्थित रहा। श्रीमती उर्मिला भाया ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण का लड् एक ऐसा लड् है जो मोक्ष की अनन्तता का प्रतीक है। यह गोल होता है क्योंकि आत्मा का न कोई आरम्भ है न अन्त और इसे दीपावली के दिन भगवान महावीर के निर्वाण दिवस पर चढाया जाता है। इस अवसर पर जैन अनुयायी उपवास रखते है और भगवान महावीर की षिक्षाओं को याद करते है जबकि निर्वाण लड् प्रसाद के रूप में अर्पित किया जाता है।

गिव अप अभियान के तहत सक्षम लोगों को खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटवाने के लिए करे प्रेरित

-एनएफएसए में नाम जुड़वाने से जिले का कोई भी पात्र व्यक्ति नहीं रहे वंचित

टोंक (रॉयल पत्रिका)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने बुधवार को टोंक जिला परिषद सभागार में समीक्षा बैठक लेकर विभागीय अधिकारियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जोड़ने, गिव अप अभियान, नए जुड़े लाभार्थियों की आधार सीडिंग और ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए। गोदारा ने जिले में गिव अप अभियान की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों से कहा की 89 हजार 982 व्यक्तियों ने गिव अप अभियान के तहत स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा से हटवाया है और 1 लाख 60 हजार नए लाभार्थी जुड़े है। इसमें और गति लाते हुए अभियान की सतत मॉनिटरिंग कर 31 अक्टूबर तक जिले को दिए गए लक्ष्य के अनुरुप सक्षम लोगों को स्वेच्छा से एनएफएसए से अपना नाम हटवाने के लिए प्रेरित कर प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सक्षम व्यक्ति कार्यालय आकर, स्थानीय उचित मूल्य दुकानदार के माध्यम से एवं ऑनलाइन आवेदन कर खाद्य सुरक्षा का लाभ स्वेच्छा से छोड़ सकते है। उन्होंने जिले के सभी सक्षम लाभार्थियों से अपील कर कहा की वह अपना नाम स्वेच्छा से हटाये, ताकि जरुरतमंद व्यक्ति को योजना का लाभ मिल सकें। कैबिनेट मंत्री गोदारा ने वर्ष 2022 और 2025 के एनएफएसए पोर्टल पर लम्बित आवेदनों के निस्तारण की वस्तुस्थिति की समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उचित मूल्य की दुकानों पर पारदर्शिता बनाये रखने के लिए स्टॉक की नियमित जांच करने और वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। गोदारा ने राशन डीलरों के बकाया कमीशन एवं परिवहनकर्ताओं के लम्बित भुगतान की उपखंडवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए की सभी बकाया मामलों का नियमानुसार भुगतान शीघ्र पूर्ण किये जाये। उन्होंने नई दुकानों के आवंटन में देरी को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए जिला रसद अधिकारी को इसी माह प्रक्रिया को पूर्ण करने के निर्देश दिए। खाद्य मंत्री ने जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को इसकी मॉनिटरिंग करने के लिए कहा। गोदारा ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की विभाग की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने में कोई कोताही नहीं हो और आमजन की शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाये।

चूरू में कांग्रेसजनों ने मुख्य बाजार में दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी

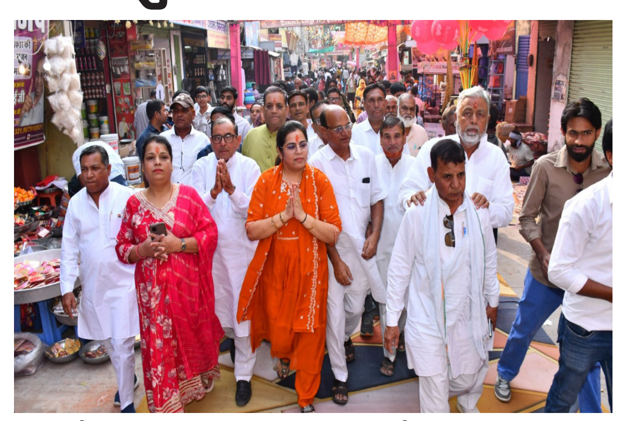

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय सुभाष चोक से कांग्रेस कमेटी द्वारा दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं देने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के आह्वान पर आज कांग्रेसजन दोपहर 20 अक्टूबर 3:00 बजे चूरू सुभाष चौक से मुख्य बाजार गढ़ चौराहा होते हुए मोजासिया चौक तक शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सयुंक्त तत्वावधान मे दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देने के लिए सभी सम्मानित वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने खुशहाली भाई चारा की प्रतीक दीपोत्सव दीपावली की हार्दिक बधाई काफिले के साथ व्यापारी वर्ग और आमजन से रामा श्यामा की गई, सभी ने देश की उन्नति की कामनाएं की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाज़त खान, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, निवर्तमान पायल सैनी, वरिष्ठ नेता मोहम्मद हुसैन निर्वाण, किसान नेता आदुराम न्यौल, नेता रमजान खान, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, सुखाराम घिनटाला, विमल शर्मा, शिवकुमार शर्मा, सुनीता कपूरिया, दीपिका सोनी, बालीबाई, रामेश्वरलाल नायक, इंजीनियर सुरेश शर्मा, अज़ीज़ खान, अली मोहम्मद भाटी, अनीश खान, आनन्द सैनी, बाबू मंत्री, इस्माइल भाटी, आबिद जाबासरिया, नुमान सैय्यद, असलम मॉयल, डूंगरसिंह ऊंटवालिया, काज़ी अब्बास, शाहिद चौहान, मनीष प्रजापत, सदीक डायर, दुर्गादत, नीरज शर्मा, अनूप लुगरिया, रामावतार भार्गव, ओम बाकोलिया, चंद्रभान शर्मा, मोहन टेलर आदि ने बधाई शुभकामनाएं दीं ।

दीपोत्सव पर मिठाई के डिब्बों से मतदान जागरूकता का संदेश

-11 नवंबर को शत प्रतिशत मतदान की अपील

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर तथा सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में अंता विधानसभा उपचुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने बताया कि मतदाता जागरूकता के लिए दीपोत्सव पर्व पर एक अभिनव पहल की गई है। इसके तहत मिठाई के डिब्बों, नमकीन के पैकेटों, सजावटी सामानों और ज्वेलरी बॉक्स पर निर्वाचन शुभंकर मतू के साथ आकर्षक स्टीकर लगाए गए हैं, जिन पर संदेश लिखा है - "11 नवंबर नोट करें, निर्भय होकर वोट करें।" उन्होंने बताया कि यह पहल घर-घर तक मतदाता जागरूकता पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बनी है। दीपावली की खुशियों के साथ जब लोग उपहार और मिठाइयां बांट रहे हैं, तो उन्हीं पैकिंग पर लगे स्टीकर लोगों को मतदान दिवस 11 नवंबर को निर्भय होकर मतदान करने की प्रेरणा दे रहे हैं।

बस स्टैंड का जिला कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

-साफ-सफाई व व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने मंगलवार को हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित बस स्टैंड और बस डिपो का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निःशुल्क रैन बसेरा/आश्रय स्थल में उपलब्ध व्यवस्थाओं, साफ-सफाई और यात्रियों की सुविधाओं का जायजा लिया। जिला कलेक्टर ने बस स्टैंड परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर अव्यवस्था या गंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यात्रियों की सुविधा सर्वोपरि है, इसलिए शौचालयों और प्रतीक्षालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान डॉ. यादव ने बस स्टैंड परिसर से अवांछित पोस्टर और होर्डिंग्स को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही, बस स्टैंड में घूमने वाले निराश्रित पशुओं की शिफ्टिंग के लिए भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने आधुनिक शौचालय और स्नानागार में आवश्यक सुधार करने तथा आने वाले ठंडे मौसम को देखते हुए रैन बसेरा में गर्म कपड़े, कंबल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठंड के दौरान कोई भी व्यक्ति खुले में रात न बिताए, इसके विशेष प्रबंध रखें। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सेहला ग्राम के आसिफ खान ने अपनी शादी सादगी से कर समाज में एक बेहतरीन मिसाल पेश की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के नजदीक सेहला निवासी एवं इकरा फाउंडेशन के फाउंडर मेंबर मेजर खान निवासी सैहला के भाई रमजान खान पुत्र मुमताज खान (सेहला) ने अपने साहिब जादे आसिफ खान की शादी शौकत खान पुत्र मांगू खान (कायमसर) की साहिबजादी के साथ बिना दहेज व लेन-देन और बगैर किसी फुजूलखर्ची के बहुत ही सादगी के साथ केवल एक रूपया व एक नारियल में की है। यह शादी कायमखानी समाज में एक मिसाल बनी है। इस मौक़े पर मेजर खान ने बताया कि दहेज एक सामाजिक बुराई और कुप्रथा है। हम सबको मिलकर इस बुराई और कुप्रथा के खिलाफ समाज को जागरूक करना है और इस कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के प्रयास करने चाहिए। गौरतलब है कि मेजर खान पिछले कई वर्षों से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ चल रहे सामाजिक जागरूकता अभियान के सदस्य हैं। खान ने अभियान के तहत अपने गांव सेहला में कुरीतियों के खिलाफ एक ऐतिहासिक कार्यक्रम भी करवाया था। इस अवसर पर सामाजिक जागरूकता अभियान व इकरा फाउंडेशन के सदस्यगण सहित समाज के गणमान्य लोगों ने शिरकत कर दूल्हे-दुल्हन को अपनी नेक दुआओं से नवाज़ा। मेजर खान ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत शिवगंज में तैयार फ्लैट के आवंटन पत्र दिए

सिरोही (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के डेयरी व पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत व ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी तथा सांसद लुम्बाराम चौधरी ने शिवगंज में मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत आवंटन पत्र देकर मकानों की चाबी सौपी। इस मौके पर डेयरी व पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत तैयार फ्लैट का पट्टा और कब्जा देते हुए कहा कि शिवगंज के लिए यह महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना में काफी लंबित थी। आज 42 जनों को कब्जा दिया गया। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी कम करने से आम को राहत मिली है और आर्थिक भार भी कम हुआ है। उन्होंने जीएसटी कम होने के फायदों को गिनाते हुए आमजन को राहत की बात कहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब, युवा एवं बेरोजगारों के विकास के लिए कटिबद्ध है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री की मंशा है कि अन्तिम छोर पर बैठा आदमी तक सहायता पहुंचाना है। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि 2016-17 मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत फ्लैट बनाने के लिए शिलान्यास किया गया था और इसके पात्र लोगों को पट्टा व कब्जा दिया जाए। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से यह योजना चालू की गई। यह कार्य काफी लम्बित रहा। इस योजना में पहले सिरोही में आर्थिक कमजोर वर्ग के लोगों को मकान आवंटित किए इसी तर्ज पर आज शिवगंज में जिन्होंने राशि जमा करवाई है, उन्हें 42 आवंटन पत्र दिया गया है ,शेष रहें उन्हें दिसम्बर तक मकान आवंटित किए जाएंगे। आमजन को मै सिरमौर समझता हूँ। उन्होंने कहा कि 320 उसमें से आर्थिक कमजोर वर्ग के लोगों को दिये जा रहें है। माननीय मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री जन आवास के अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण कर मकान आवंटित करें। सांसद लुम्बाराम चौधरी ने कहा कि आर्थिक कमजोर वर्ग के लोगों लिए यह योजना बहुत ही लाभदायक है। उन्होंने जीएसटी व केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने धनतेरस पर किसानों को दी किसान सम्मान निधि की सौगात

-'समृद्ध किसान खुशहाल राजस्थान' हमारी सरकार का मूल ध्येय- कन्हैया लाल चौधरी

टोंक (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल ने शनिवार को धनतेरस के पावन अवसर पर नदवई जिला भरतपुर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत किसानों को चतुर्थ किश्त की राशि का हस्तांतरण किया। साथ ही लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम नवीन जिला परिषद सभागार में प्रदेश के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर चौधरी ने कहा कि समृद्ध किसान खुशहाल राजस्थान हमारी सरकार का मूल ध्येय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के छोटे और सीमांत किसानों को प्रत्यक्ष लाभ देने के लिए किसान सम्मान निधि योजना एक ऐतिहासिक कदम है। डबल इंजन की सरकार किसानों के हित में मृदा स्वास्थ्य कार्ड, गुणवत्तापूर्ण बीज वितरण, समय पर फसल खराबे का मुआवजा, वर्ष 2013 के मुकाबले विभिन्न फसलों की एमएसपी का 2 से 3 गुना होना किसानो की समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि धनतेरस के अवसर मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत टोंक जिले के 2.42 लाख किसानों के खाते में 24.25 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई है। उन्होंने अल्पकालीक ब्याज मुक्त फसली ऋण योजना, एक मुश्त समझौता योजना, क्रेडिट कार्ड योजना, सोलर पम्प अनुदान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर देवली उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहें।

रबी गुण नियंत्रण अभियान

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के निर्देशानुसार रबी फसल की बुवाई के मद्देनजर किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए खाद-बीज की गुणवत्ता और कालाबाजारी के विरूद्ध रबी गुण नियंत्रण अभियान के अंतर्गत उर्वरकों की गुणवत्ता एवं विक्रय व्यवस्था की जांच के दौरान अनुज्ञापन प्राधिकारी (उर्वरक) एवं संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार राकेश कुमार अटल ने गंगापुर सिटी में तीन उर्वरक विक्रेताओं का खुदरा उर्वरक अनुज्ञा पत्र निलंबित किया है। निरीक्षण के दौरान मैसर्स धर्मेन्द्र खाद बीज भण्डार गंगापुर सिटी, मैसर्स जय हनुमान ट्रेडर्स गंगापुर सिटी तथा मैसर्स बाल कृष्ण खाद बीज भण्डार उदेई मोड़ गंगापुर सिटी में अनियमितताएं पाई गईं। उक्त विक्रेताओं द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने पर अनुज्ञापन प्राधिकारी उर्वरक) राकेश कुमार अटल द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 कि धारा 26 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 31 के तहत उनके खुदरा उर्वरक अनुज्ञा पत्रों को तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेश तक निलंबित किया गया है। अनुज्ञापन प्राधिकारी ने उक्त फर्मो के प्रोपराइटर को निर्देशित किया है कि 7 दिवस में जवाब प्रस्तुत न करने अथवा असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में उक्त उर्वरक अनुज्ञा पत्र को निरस्त कर दिया जाएगा, जिसके लिए संबंधित फर्म स्वयं उत्तरदायी होगी। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निलंबन के दौरान किसी प्रकार की उर्वरक का क्रय-विक्रय नहीं किया जाएगा।

किसान सम्मान निधि का डीबीटी अन्त:करण

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत लाभार्थियों को चतुर्थ किस्त अन्तरण के क्रम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम नदबई भरतपुर में आयोजित किया गया जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किसानों के खातों में योजनान्तर्गत चतुर्थ किश्त राशि का 1 हजार रुपए का अन्तरण डीबीटी के माध्यम से किया गया। इस दौरान इस योजना में पूरे राज्य में 71.80 लाख किसानों के खातो में राशि रूपये 717.97 करोड़ तथा जिले में 2,42,937 कृषकों के खातों में राशि रूपये 24.29 करोड़ रुपए का अन्तरण हुआ। जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला सूचना केन्द्र के सभागार कक्ष में शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसान सम्मान निधि योजना, राजस्थान गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण योजना आदि की जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम के दौरान झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भाम्बू, प्यारेलाल ढूकिया, महेन्द्र चन्दवा तथा अन्य जन प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। सीसीबी एमडी संदीप शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में झुझुनूं केन्द्रीय सहकारी बैंक द्वारा किसान कल्याण योजनान्तर्गत राशि रूपये 5.00 लाख, कृषक मित्र ऋण योजनान्तर्गत राशि रूपये 3.00 लाख तथा गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजनान्तर्गत 11 आवेदको को राशि रूपये 11.00 लाख का ऋण वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विकास बैंक सचिव दीपेन्द्र सिंह शेखावत, झुंझुनूं केवीएसएस प्रबंधक रामरतन डोई, बैंक के अतिरिक्त अधिशाषी अधिकारी रंजना स्वामी, मुख्य प्रबंधक सत्यवीर सिंह मुख्य प्रबन्धक बैंक, हनुमान प्रसाद खाती, जितेन्द्र कुमार, लोकेन्द्र सिंह राठौड़ , संदीप कुमार, मनोज पंवार, सहकारिता निरीक्षक अविनाश महला एवं योजनान्तर्गत विभिन्न लाभार्थियों सहित 250 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

77 आरपीएस प्रोबेशनर अधिकारियों को कम्यूनिटी पुलिसिंग का प्रशिक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान पुलिस ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में नव-नियुक्त अधिकारियों को सामुदायिक पुलिसिंग के महत्व और योजनाओं से परिचित कराया। पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी कम्यूनिटी पुलिसिंग पंकज चौधरी ने आरपीएस बैच संख्या 54/2023 और 55/2024 के 77 प्रोबेशनर अधिकारियों के साथ संवाद किया। कम्युनिटी पुलिसिंग एसपी चौधरी ने अधिकारियों को बताया कि सामुदायिक पुलिसिंग की योजनाएं किस तरह से पुलिस को जमीनी स्तर पर जनता का सहयोग हासिल करने में मदद करती हैं। इस संवाद का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जब ये अधिकारी फील्ड में जाएं, तो उन्हें बेहतर जन-सहभागिता मिल सके।

प्रयोगशाला शिक्षक बन चमकाएं अपना करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

हमारे भारत में किसी भी प्रकार की सरकारी नौकरी को बहुत ही ज्यादा सम्मान दिया जाता है। क्योंकि सरकारी नौकरी पाने के बाद लोगों को ऐसा लगता है, कि उन्होंने सब कुछ पा लिया है। हमारे देश के बुजुर्ग भी सरकारी नौकरी पाने वाले व्यक्ति को बहुत ज्यादा सम्मान देते हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी हासिल करने के बाद उम्मीदवार पैसा कमाने के साथ-साथ सम्मान भी बहुत अधिक कमाता है। खासतौर से हमारे आस पास अध्यापक पद काम करने वाले व्यक्ति को अच्छा सम्मान मिलता है। आज के आर्टिकल में हम आपको प्रयोगशाला टीचर कैसे बने, इसके बारे में जानकारी देंगे।

कौन होता है प्रयोगशाला शिक्षक

प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं में जो प्रयोगशाला होती है। उन प्रयोगशालाओं में अध्यापक के तौर पर प्रैक्टिकल करवाने वाले उम्मीदवार को कहा जाता है। प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं यानी कि 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षाओं में जो विज्ञान वर्ग के विषयों में प्रैक्टिकल करवाने का काम करते हैं, उनको कहा जाता है। प्रयोगशाला अध्यापक लैब में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करके हर चीज सिद्धांत के साथ समझाते हैं। विज्ञान विषय में प्रैक्टिकल काफी महत्वपूर्ण होता है। विज्ञान की थ्योरी पढ़ने के साथ-साथ प्रैक्टिकल के माध्यम से उस रिएक्शन और गतिविधि के बारे में संपूर्ण जानकारी विद्यार्थी लेते हैं और यह जानकारी देने का काम लैब टीचर करता है।

जरूरी योग्यताएं

जो विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर बनने का सपना देख रहे हैं। और प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को सबसे पहले लैब टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता को पूरा करना होगा योग्यता को पूरा करके ही आप प्रयोगशाला टीचर की भर्ती में आवेदन लगा सकते हैं और टीचर बनने के सपने को पूरा कर सकते हैं। प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- उम्मीदवार 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास किया हुआ होना अनिवार्य है।
- उम्मीदवार को उच्च शिक्षा के तौर पर आगे ग्रेजुएशन और मास्टर ग्रेजुएशन करना जरूरी है।
- बीएड की डिग्री हासिल करें।

करने होते हैं ये कार्य

प्रयोगशाला टीचर के कार्य कि यदि बात की जाए तो प्रयोगशाला टीचर शब्द से ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है, कि ऐसा अध्यापक जो प्रयोगशाला में होने वाली गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में अपनी मदद करता है। प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को नए नए प्रयोग सिखाने और उनके बारे में जानकारी देने में प्रयोगशाला टीचर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को विज्ञान की कई प्रकार की रियक्शन और गतिविधियों से अवगत करवाता है। प्रयोगशाला टीचर विद्यार्थियों को प्रयोग सिखाता है और लैब की परीक्षाओं में एग्जाम करवाने का काम भी करता है।

कैसे बनें

प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास करनी होगी। विज्ञान वर्ग के साथ जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास कर लेता है। उसको नीचे दिए गए निम्नलिखित चरणों को फॉलो करते हुए आगे बढ़ना होगा।

ग्रेजुएशन पूरा करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है। ग्रेजुएशन विज्ञान वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है। ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम 50% अंक के साथ पास करना काफी महत्वपूर्ण रहता है।

बीएड की डिग्री हासिल करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है।

मास्टर डिग्री यानी की पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करें : ग्रेजुएशन और बीएड की डिग्री लेने के पश्चात उम्मीदवार को पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेनी होती है। पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेने पर विद्यार्थी किसी भी एक विषय में मास्टर डिग्री हासिल कर लेता है और उस विषय से संबंधित प्रयोगशाला शिक्षक बनने के लिए योग्य भी हो जाता है। मास्टर डिग्री लेने वाले उम्मीदवार को अब आने वाली प्रयोग शाला शिक्षक भर्ती में आवेदन करने के लिए योग्यता मिल जाती है।

प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन करें : लैब टीचर बनने के लिए उम्मीदवार को सरकार के द्वारा नियमित तौर पर निकाले जाने वाली प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। हालांकि जो विद्यार्थी प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर बनना चाहता है। उस विद्यार्थी के लिए किसी भी भर्ती में आवेदन लगाने की जरूरत नहीं है। विद्यार्थी डिग्री कंप्लीट करने के बाद सीधा किसी भी प्राइवेट विद्यालय में ज्वाइन होकर प्रयोगशाला टीचर पद पर कार्यरत हो सकता है। लेकिन सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। जब विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन लगाता है। तो विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर की सेलेक्शन प्रक्रिया से गुजरते हुए इस पद को हासिल करना होता है।

कितनी होती है सैलरी : प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर को 15,000 से 25,000 तक की सैलरी मिल जाती है। प्राइवेट विद्यालय में यह सैलरी कोई फिक्स नहीं है। उच्च स्तरीय प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर की सैलरी 50,000 तक भी हो सकते हैं। सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के बाद उम्मीदवार की सैलरी की बात की जाए तो उम्मीदवार को शुरुआत में 40,000 तक की सैलरी मिलती है और 2 साल की अवधि पूरी होने के बाद उम्मीदवार को पहला प्रमोशन मिलता है। उसके बाद उम्मीदवार को 50,000 से 70,000 की सैलरी और ग्रेड पे के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के सरकारी भत्ते की सुविधाएं भी मिलती है।

कैंसर उपचार की रीढ़ है रेडियोथेरेपी, मरीजों की आशा की किरण

जन सेवा के साथ करियर का बेहतरीन विकल्प 'रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट'

डॉ. विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी (B.Sc in Radiotherapy Technology) जन सेवा के साथ युवाओं को करियर का बेहतरीन विकल्प उपलब्ध करवा रही है। यह तकनीक जहां कैंसर के मरीजों में आशा की किरण है, वहीं मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले युवाओं को कामयाब होने के रास्ते दिखा रही है। इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है जो उनकी नौकरी की उम्मीदों को पंख दे सकता है। इसलिए युवा यह कोर्स कर अपने करियर को आसमान की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते कैंसर मामलों ने रेडिएशन थेरेपी की मांग को तेजी से बढ़ाया है। कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इसे सफलतापूर्वक देने वाले एक्सपर्ट रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी कोर्स युवाओं के लिए मेडिकल क्षेत्र में एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बन चुका है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में जहां एक ओर डॉक्टर और ऑन्कोलॉजिस्ट का योगदान अहम होता है। वहीं, रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट पर्दे के पीछे से तकनीकी रूप से उपचार को सटीक और प्रभावी बनाते हैं। इनका कार्य रोगी के जीवन से सीधा जुड़ा होता है, इसलिए यह क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक ज्ञान बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भी परिपूर्ण है।

क्या है रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाने वाली रेडिएशन मशीनों को ऑपरेट करते हैं। ये प्रोफेशनल्स डॉक्टरों के निर्देश पर रोगी को सटीक मात्रा में विकिरण देते हैं, जिससे ट्यूमर को नष्ट किया जा सके और स्वस्थ ऊतकों को नुकसान न पहुंचे। आज के समय में रेडिएशन तकनीक अत्याधुनिक हो चुकी है जैसे रैखिक त्वरक (एलआईएनएसी), ब्रैकीथेरेपी, साइबरनाइफ और गामा नाइफ जैसी मशीनें, जिनके संचालन के लिए विशेष प्रशिक्षण आवश्यक होता है। रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका केवल मशीन चलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे रोगी की सुरक्षा, मशीन की मेंटेनेंस और रेडिएशन डोज की सटीक गणना जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्यों में भी शामिल होते हैं।

बढ़ते कैंसर मरीजों के कारण बढ़ी डिमांड

कोर्स की ये हैं जरूरी योग्यताएं

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी/मैथ्स) न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला होता है। इसके लिए आप पहले कोचिंग भी ले सकते हैं। कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके बाद ही संस्थान का चुनाव करें। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर ध्यान रखना जरूरी है।

साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स

बीएससी इन रेडियोथेरेपी एक साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स है, जिसमें क्लासरूम टीचिंग, लैब ट्रेनिंग और हॉस्पिटल इंटर्नशिप शामिल होती है। अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को रेडिएशन विभाग में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे वास्तविक मरीजों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त कर सकें। कुछ संस्थानों में छात्रों को प्रोजेक्ट कार्य, केस स्टडीज और वर्कशॉप्स के माध्यम से रिसर्च का भी अवसर मिलता है। इस दौरान उन्हें न केवल तकनीकी स्किल, बल्कि रोगियों के प्रति सहानुभूति और मानसिक मजबूती जैसे गुण भी विकसित करने पर बल दिया जाता है।

काम करके मिलता सुकून

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें न केवल करियर की स्थिरता और उन्नति है, बल्कि कैंसर पीड़ितों की जिंदगी को बचाने का सुकून भी शामिल है। यह विज्ञान और मानवीय सेवा का सुंदर संगम है। यदि आप मेडिकल क्षेत्र में टेक्निकल एक्सपर्ट बनने के साथ समाज सेवा का जज़्बा भी रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकता है। आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे भारत में कैंसर उपचार सुविधाएँ बढ़ेंगी, वैसे-वैसे रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी।

कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की भूमिका सबसे कारगर, B.Sc in Radiotherapy Technology कोर्स युवाओं को दे रहा करियर बनाने का शानदार मौका

कोर्स करने के लिए प्रमुख संस्थान

1. पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक)
2. पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
3. एस.एम.एस. जयपुर (सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर)
4. बी.एच.यू. वाराणसी (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी)
5. जिपमर पुडुचेरी (जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी)
6. एम्स दिल्ली (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
7. सी.एम.सी. वेल्लोर (क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर)

(नोट : इन संस्थानों से डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में भारत की पहचान बना रहे हैं।)

यह मिल सकता है वेतन

शुरुआत में रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट का वेतन 30,000 रुपये से 45,000 रुपये प्रतिमाह तक हो सकता है। अनुभव के साथ और सरकारी अस्पतालों या प्रतिष्ठित संस्थानों में यह वेतन 60,000 रुपये से 80,000 रुपये प्रति माह तक भी पहुंच सकता है। विदेशों में यह प्रोफेशन और भी अधिक सम्मानजनक और उच्च वेतन वाला माना जाता है। साथ ही, जैसे-जैसे नई तकनीकें आ रही हैं जैसे आईएमआरटी-तीव्रता मॉड्युलेटेड रेडिएशन थेरेपी, आईजीआरटी-इमेज गाइडेड रेडिएशन थेरेपी, एसआरएस/एसआरटी-स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी/स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी, एसबीआरटी-स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी आदि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वालों की मांग और बढ़ रही है। निजी स्वास्थ्य संस्थान अब योग्य रेडिएशन टेक्नोलॉजिस्ट को आकर्षक वेतन पैकेज दे रहे हैं।

यहां नौकरी के अवसर

रेडियोथेरेपी कोर्स के बाद छात्र निम्न संस्थानों में नौकरी कर सकते हैं।

- कैंसर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल कॉलेज व रिसर्च सेंटर
- प्राइवेट डायग्नोस्टिक और रेडिएशन यूनिट्स
- सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रमों के तहत
- अंतरराष्ट्रीय हेल्थकेयर संगठनों में
- इसके अतिरिक्त, अनुभवी टेक्नोलॉजिस्ट रिसर्च, हेल्थ एजुकेशन, मेडिकल इक्विपमेंट कंपनियों या हेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी अपना करियर बना सकते हैं।

हर नया दिन आपको सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने का देता मौका

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

छात्र जीवन एक ऐसी यात्रा है जो चुनौतियों, अवसरों और भविष्य को आकार देने वाले पलों से भरी होती है। हर नया दिन आपके सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने और सफलता की ओर बढ़ने का एक मौका देता है। यह पल आपके लिए है अपनी ऊर्जा को संजोने, अपने मन को एकाग्र करने और अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करने का समय। यह व्याकुलता का नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय का समय है वर्तमान को थामने और उज्जवल भविष्य को गढ़ने का अवसर। छात्रों को अक्सर पढ़ाई, व्यक्तिगत विकास और तेजी से बदलती दुनिया की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने का भारी दबाव झेलना पड़ता है। हतोत्साहित होना या अपने लक्ष्यों से भटक जाना स्वाभाविक लग सकता है। लेकिन हर सुबह, हर बीतता क्षण, आपके सपनों के प्रति फिर से समर्पित होने का आह्वान है।

सोचे-समझे कदमों से करें शुरुआत

दिन के ये शुरुआती पल रचनात्मकता और मेहनत के लिए एक खुला कैनवास हैं। सोशल मीडिया, आत्म-संदेह या आलस्य जैसे व्याकुलताओं के आगे झुकने के बजाय, इस समय को अपनी प्रेरणा को बढ़ाने और अपनी ऊर्जा को सार्थक कार्यों में लगाने के लिए उपयोग करें। जैसा कि एक प्रेरक हिंदी कथन कहता है कि सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है। यह उद्धरण इस पल को थामने के सार को दर्शाता है। सुबह का यह समय, जब दुनिया संभावनाओं से भरी जाग रही होती है, आपके लिए एक नई शुरुआत है। आपकी मेहनत, आपके प्रिय सपनों के साथ मिलकर, आपको आगे बढ़ा सकती है। चाहे आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों, या अपनी रुचियों को खोज रहे हों, यह वह समय है जब आपको पूरे उद्देश्य के साथ कार्य करना है। रचनात्मकता एक छात्र के रूप में आपकी सबसे बड़ी ताकत है। यह केवल किताबी ज्ञान या तथ्यों को रटने तक सीमित नहीं है; यह नए दृष्टिकोण अपनाने, अनोखे समाधान खोजने और चुनौतियों को रचनात्मक ढंग से हल करने के बारे में है। लेकिन व्याकुलताएं रचनात्मकता की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। वे आपका ध्यान भटकाती हैं और उस ऊर्जा को कमजोर करती हैं जिसे आप सीखने और विकास में निवेश कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों को क्षणिक प्रलोभनों से ऊपर रखकर, आप अपने भविष्य को आकार देने की शक्ति को फिर से हासिल करते हैं। इस पल का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, छोटे-छोटे, सोचे-समझे कदमों से शुरुआत करें। दिन के लिए स्पष्ट और प्राप्य लक्ष्य बनाएं, अपने कार्यों को छोटे हिस्सों में बांटें और अपनी हर छोटी उपलब्धि का उत्सव मनाएं।

हर सफल व्यक्ति एक छात्र

अपने चारों ओर सकारात्मकता लाएं -चाहे वह प्रेरक दोस्त हों, मार्गदर्शक शिक्षक हों, या एक शांत स्थान जो आपके विचारों को उड़ान दे। याद रखें, हर सफल व्यक्ति कभी एक छात्र था, जिसने हार नहीं मानी, जिसने सुविधा के बजाय संघर्ष को चुना, और जिसने हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखा। सुबह का यह समय आपके सपनों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का प्रतीक बने। दुनिया आपके अनोखे योगदान, आपके विचारों और आपकी दृढ़ता की प्रतीक्षा कर रही है। इस पल को अपनाएं, अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करें और अपने लक्ष्यों की ओर साहसपूर्वक कदम बढ़ाएं। एक छात्र के रूप में आपकी यात्रा केवल मंजिल तक पहुंचने की नहीं है यह उस रास्ते में अपने सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को खोजने की है। तो, उठें, कर्म करें और हर क्षण को अमूल्य बनाएं।

खुद पर भरोसा करो, क्योंकि तुम्हारी ताकत तुम्हारे भीतर छिपी है

आत्मविश्वास सफलता की नींव है। यह उद्धरण छात्रों को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है। जब आप खुद पर विश्वास करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं लगता। छात्र जीवन एक ऐसी अवस्था है जहां हर दिन एक नया सबक लाता है। इन प्रेरणादायक उद्धरणों को अपने साथी बनाएँ और हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखें। जैसा कि पहले उद्धरण में कहा गया, "सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है।" इस पल को थामें, अपने भीतर की रचनात्मकता और जुनून को जगाएं, और अपने सपनों की ओर बढ़ते रहें। आपमें वह शक्ति है जो आपको दुनिया की ऊंचाइयों तक ले जा सकती है बस उस पर विश्वास करें और कदम बढ़ाएं।

सामान्य ज्ञान

1. यंग प्रत्यास्थायता गुणांक का एसआई मात्रक है
(ए) डाइन/सेमी.
(बी) न्यूटन/मी.
(सी) न्यूटन/मी.^{2}
(डी) मी.^{2}/से.

2. निम्नलिखित युग्मों में से किन भौतिक राशियों के सामान विमीय सूत्र नही है ?
(ए) बल एवं दाब
(बी) कार्य एवं उर्जा
(सी) आवेग एवं संवेग
(डी) भार एवं बल

3. एक खगोलीय इकाई संबंधित है -
(ए) सूर्य एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(बी) चन्द्रमा एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(सी) सूर्य, चन्द्रमा के बीच की दूरी से
(डी) उपरोक्त में से कोई नही

4. निम्नलिखित में से कौन-सी अविमीय राशि है ?
(ए) विकृति
(बी) श्यानता गुणांक
(सी) गैस नियतांक
(डी) प्लांक नियतांक

5. निम्नलिखित में से कौन एक सदिश राशी नही है
(ए) संवेग
(बी) वेग
(सी) कोणीय वेग
(डी) द्रव्यमान

6. अदिश राशी है
(ए) उर्जा
(बी) बल आघूर्ण
(सी) संवेंग
(डी) उपरोक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन सी एक सदिश राशी है
(ए) संवेंग
(बी) दाब
(सी) उर्जा
(डी) कार्य

8. निम्नलिखित में से कौन सी राशी सदिश नही है
(ए) विस्थापन
(बी) वेग
(सी) बल
(डी) आयतन

उत्तर 1.(सी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(ए) 5.(डी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

खबर संक्षेप

नचिकेत एलटीआईमाइंडट्री के पूर्णकालिक निदेशक अध्यक्ष पद से इस्तीफा

नई दिल्ली। एलटीआईमाइंडट्री ने मंगलवार को बताया कि उसके पूर्णकालिक निदेशक और अध्यक्ष नचिकेत देशपांडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जो 31 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा। आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि देशपांडे ने नए अवसरों की तलाश के लिए पद छोड़ा है। एक बयान के अनुसार, 'नचिकेत देशपांडे ने एलटीआईमाइंडट्री से परे नए अवसरों की तलाश के लिए निदेशक और अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है, जो 31 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा।'

चीन के निर्यात रोक से भारत में उर्वरकों की कीमतें उछली

नई दिल्ली। चीन के 15 अक्टूबर से यूरिया और विशेष उर्वरकों के निर्यात को निलंबित करने के बाद भारत महत्वपूर्ण रबी (सर्दियों) फसल के सत्र से पहले उर्वरक की बढ़ी हुई

कीमतों से निपटने की तैयारी कर रहा है। उद्योग जगत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। चीन ने 15 मई से 15 अक्टूबर तक बढ़े हुए निरीक्षणों के साथ उर्वरक निर्यात हाल ही में फिर से शुरू किया था, हालांकि उसने अब अगली सूचना तक निर्यात को निलंबित कर दिया है जिससे न केवल भारत बल्कि वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।

1,200 करोड़ रुपये में ई-बस विनिर्माण संयंत्र

जयपुर। राजस्थान सरकार ने कोटपूतली-बहरोड़ जिले के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सॉल्यूशंस को 1,200 करोड़ रुपये की लागत से इलेक्ट्रिक बस विनिर्माण संयंत्र लगाने के लिए लगभग 65 एकड़ भूमि आवंटित की है। यह राजस्थान में अपनी तरह का पहला संयंत्र होगा। यह आवंटन राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के माध्यम से किया गया है और 'राइजिंग राजस्थान' वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान इस आशय के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

दिल्ली में पटाखों की बिक्री में उछाल, आरडब्ल्यूए ने नियम उल्लंघन पर जताई चिंता

भाषा ▸▸| नई दिल्ली

दिवाली पर दिल्ली में पटाखों की बिक्री में तेजी देखी गई। व्यापारियों ने बताया कि कारोबार तेज रहा और ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने पटाखे फोड़ने की समयसीमा के उल्लंघन और बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल के अनुसार, इस त्योहारी मौसम में पटाखों की भारी मांग रही। उन्होंने कहा, 'दिवाली से एक दिन पहले ही, ज़्यादातर व्यापारियों के पास स्टॉक खत्म हो गया था। कई लोगों को पटाखे खरीदने के लिए गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद और सोनीपत जाना पड़ा।'

व्यापारी बोले, कारोबार तेज रहा और ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी

रोशनी और सजावटी सामान भी खूब बिका

पम्मी ने कहा, 'पटाखों के साथ-साथ रोशनी और सजावटी सामान जैसी चीजों की भी मांग बढ़ी है।' उच्चतम न्यायालय ने 15 अक्टूबर को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में त्योहारों की परंपराओं और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाते हुए कुछ शर्तों के तहत हरित पटाखों की बिक्री और फोड़ने की अनुमति दी थी। अदालत के आदेश के अनुसार, दिवाली से एक दिन पहले और दिवाली के दिन हरित पटाखों का इस्तेमाल कुछ खास घंटों तक ही सीमित था-सुबह 6 बजे से 7 बजे के बीच और रात 8 बजे से 10 बजे के बीच। 18 से 21 अक्टूबर के बीच हरित पटाखों की बिक्री की अनुमति थी। हालांकि, आरडब्ल्यूए ने कहा कि नियमों का व्यापक रूप से उल्लंघन किया गया।

उन्होंने बताया कि दिल्ली में कुल पटाखों की बिक्री लगभग 500 करोड़ रुपये की रही।'

सुबह तीन बजे तक पटाखे फोड़े

पूर्वी दिल्ली आरडब्ल्यूए संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष बी एस वोहरा ने कहा कि देर रात तक पटाखे फोड़ना जारी रहा। उन्होंने कहा, 'हालांकि समयसीमा रात 10 बजे थी, फिर भी कई इलाकों में सुबह तीन बजे तक पटाखे फोड़े गए। कई वरिष्ठ नागरिकों और सांस की समस्या वाले लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।' यूनाइटेड रेजिडेंट्स जॉइंट एक्शन (यूआरजीए) के अध्यक्ष अतुल गोयल ने कहा कि आरडब्ल्यूए ने पर्यावरण के अनुकूल उत्सवों को बढ़ावा देने के प्रयास किए, लेकिन प्रतिक्रिया सीमित रही।

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच एक घंटे चला विशेष मुहूर्त कारोबार

नए संवत वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक कारोबार में सेंसेक्स व निफ्टी में मामूली बढ़त

भाषा ▸▸| मुंबई

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इससे नए संवत वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 62.97 अंक या 0.07 प्रतिशत चढ़कर 84,426.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,665.44 अंक के उच्चस्तर तक गया और 84,286.40 अंक के निचले स्तर तक आया। एनएसई निफ्टी 25.45 अंक या 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,868.60 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक शेयर अपरिवर्तित रहा। बीएसई और एनएसई ने नए संवत वर्ष 2082 की शुरुआत में विशेष मुहूर्त सत्र आयोजित किया।

■ सेंसेक्स 62.97 अंक और निफ्टी 25.45 अंक चढ़कर बंद

निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ, जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए

इस मुहूर्त ट्रेडिंग में क्या खरीदें

हर साल निवेशक ब्लू चिप कंपनियों मिड कैप और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में रुचि दिखाते हैं। कई लोग गोल्ड ईटीएफ , म्यूचुअल फंड या आईपीओ जैसे विकल्पों में भी टोकन इन्वेस्टमेंट करते हैं। अगर आप इस दिवाली निवेश की शुरुआत करना चाहते हैं, तो ये एक अच्छा मौका हो सकता है बशर्ते आप सोच-समझकर और रिसर्च के साथ निवेश करें।

बजाज फिनसर्व के शेयर में सबसे अधिक 1.42 प्रतिशत की वृद्धि

बजाज फिनसर्व के शेयर में सबसे अधिक 1.42 प्रतिशत वृद्धि हुई। एक्सिस बैंक में 0.80 प्रतिशत, इन्फोसिस में 0.72 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.60 प्रतिशत, टाटा मोटर्स में 0.55 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस में 0.53 प्रतिशत और टाटा स्टील में 0.52 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सुजुकी इंडिया, ट्रेंट लिमिटेड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई स्मॉलकैप 0.91 % चढ़ा

व्यापक बाजारों में भी बढ़त दर्ज की गई। बीएसई मिडकैप 0.23 प्रतिशत या 106.95 अंक की बढ़त के साथ 46,787.20 अंक पर बंद हुआ। बीएसई स्मॉलकैप 0.91 प्रतिशत या 486.81 अंक की चढ़कर 53,842.85 अंक पर बंद हुआ। क्षेत्रीय सूचकांकों में, औद्योगिक क्षेत्र में सबसे अधिक 0.53 प्रतिशत, दूरसंचार में 0.51 प्रतिशत, जिंस में 0.47 प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुओं में 0.40 प्रतिशत, सेवाओं में 0.38 प्रतिशत और धातु में 0.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दूसरी ओर, बैंक और रियल्टी मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

एशियाई बाजार में भी बढ़त

एशियाई बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। चीन का शंघाई कम्पोजिट 1.36 प्रतिशत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.77 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 0.24 प्रतिशत और जापान का निक्की 225, 0.15 प्रतिशत चढ़ा। अमेरिकी बाजार सोमवार को मजबूत रुख के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 790.45 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,485.46 करोड़ रुपये के शेयर खरीदकर एफआईआई को पीछे छोड़ दिया।

मुहूर्त ट्रेडिंग धार्मिक आस्था और आर्थिक सोच का मेल

मुहूर्त ट्रेडिंग न सिर्फ एक ट्रेडिंग सेशन होता है, बल्कि ये धार्मिक आस्था और आर्थिक सोच का मेल भी है। इस दिन कई निवेशक शेयर खरीदने को शुभ मानते हैं और छोटे-बड़े टोकन इन्वेस्टमेंट करते हैं। माना जाता है कि इस समय किया गया निवेश नई एनर्जी और पॉजिटिव शुरुआत लाता है। हालांकि आंकड़ों के हिसाब से यह जरूरी नहीं कि इस दिन निवेश करने से ज्यादा रिटर्न मिले, लेकिन इसकी अहमियत बहुत ज्यादा है।

ई-कॉमर्स की त्योहारी बिक्री मात्रा में 24 प्रतिशत बढ़ी, क्विक कॉमर्स का जलवा

भाषा ▸▸| नई दिल्ली

दिवाली त्योहारी सत्र भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए शानदार रहा, जिसमें मात्रा के लिहाज से बिक्री सालाना 24 प्रतिशत बढ़ी और सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ई-कॉमर्स क्षेत्र के मंच यूनिकॉमर्स ने यह जानकारी दी। इस दौरान क्विक कॉमर्स ऐप का वृद्धि में सबसे अधिक योगदान रहा, जिन्होंने ऑर्डर की मात्रा में सालाना आधार पर 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसके बाद ब्रांड वेबसाइट ने 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। मार्केटप्लेस प्रमुख चैनल बने रहे, जिनकी कुल खरीदारी में 38 प्रतिशत हिस्सेदारी रही और उनका ऑर्डर मात्रा के लिहाज से आठ प्रतिशत बढ़ा। यूनिकॉमर्स ने कहा कि ये जानकारियां 2024 और 2025 में 25 दिन तक चलने वाले त्योहारी सत्र के दौरान उसके प्रमुख मंच यूनीवेयर के माध्यम से हुए 15 करोड़ से अधिक

लेनदेन पर आधारित हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''2025 का दिवाली त्योहारी सत्र भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए बहुत अच्छा रहा, जहां ऑर्डर मात्रा के लिहाज से 24 प्रतिशत बढ़ा, जबकि सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।'' शीर्ष प्रदर्शन करने वाली श्रेणियों में रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुएं (एफएमसीजी), गृह सज्जा और फर्नीचर, सौंदर्य और देखभाल तथा स्वास्थ्य और फार्मा रहे। बयान के मुताबिक, कुल ऑर्डर में दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों का योगदान लगभग 55 प्रतिशत रहा।

उचित गुणवत्ता वाले सामान में दिलचस्पी

फ्लिपकार्ट ने कहा कि मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बड़े उपकरण और फैशन में मजबूत रुझान देखा गया, और इन सभी श्रेणियों में पिछले साल की तुलना में मजबूत वृद्धि हुई। इसके अलावा ग्राहकों ने विभिन्न मूल्य श्रेणियों में उच्च-गुणवत्ता वाले और महत्वाकांक्षी उत्पादों में भी गहरी दिलचस्पी दिखाई। फ्लिपकार्ट के विकास और विपणन उपाध्यक्ष प्रतीक शेट्टी ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''पूरे त्योहारी सत्र में हमने लगातार गति देखी है, जो भारतीय खरीदारों के बढ़ते आत्मविश्वास और आशावाद को दर्शाती है, जिसे एक स्थिर और प्रगतिशील आर्थिक माहौल का समर्थन प्राप्त है।'' शेट्टी ने कहा कि 'जीएसटी 2.0' की शुरुआत ने इस भावना को और मजबूत किया है।

बुनियादी उद्योगों का उत्पादन सितंबर में तीन प्रतिशत बढ़ा

भाषा ▸▸| नई दिल्ली

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में मासिक आधार पर घटकर तीन प्रतिशत पर आ गई। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सालाना आधार पर सुधरी है लेकिन मासिक आधार पर इसमें

सुस्ती दर्ज की गई है। अगस्त महीने में इन प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 6.5 प्रतिशत बढ़ा था, जबकि पिछले साल सितंबर में यह वृद्धि 2.4 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सितंबर में इन बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर तीन माह में सबसे कम रही। इसके पीछे कोयला, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पादन एवं प्राकृतिक गैस के उत्पादन में आई नरमी की अहम भूमिका रही। उर्वरक और सीमेंट उत्पादन की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में धीमी होकर क्रमशः 1.6 प्रतिशत और 5.3 प्रतिशत रह गई जबकि सितंबर, 2024 में यह क्रमशः 1.9 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी। हालांकि, इस्पात और बिजली उत्पादन में सालाना आधार पर क्रमशः 14.1 प्रतिशत और 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर गिरकर 2.9 प्रतिशत पर आ गई।

पीएफआरडीए ने पेंशन निवेश के स्पष्ट मूल्यांकन के लिए परामर्श पत्र जारी किया

नई दिल्ली (भाषा)। पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए ने पेंशन निवेश के मूल्यांकन को अंशधारकों के समक्ष स्पष्ट रूप से रखने और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के मकसद से एक व्यापक परामर्श पत्र जारी किया है। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने मंगलवार को बयान में कहा कि प्रस्तावित मसौदा प्रशासन में सुधार, ग्राहकों के हितों की रक्षा और भारत के व्यापक वित्तीय एवं ढांचागत वृद्धि में योगदान देने की दिशा में उसकी मौजूदा प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस परामर्श पत्र में एनपीएस/ एपीवाई में रखी गई दीर्घकालिक सरकारी प्रतिभूतियों के लिए दोहरे मूल्यांकन ढांचे ('अक्रूअल' और 'फेयर मार्केट') को अपनाने का प्रस्ताव किया गया है। पीएफआरडीए ने कहा कि प्रस्तावित ढांचे से पेंशन अंशधारकों के लिए निवेश अवधि के दौरान स्थिर और पारदर्शी संपत्ति संचयन प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी और अल्पकालिक ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव का असर 'शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य' (एनएवी) पर कम होगा। बयान के मुताबिक, नियामक ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के प्रतिभागियों, पेंशन कोषों, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और आम जनता से इस पर सुझाव आमंत्रित किए हैं। परामर्श पत्र पर 30 नवंबर, 2025 तक सुझाव और टिप्पणियां रखी जा सकती हैं। परामर्श पत्र जारी किया।

NPCI ने लॉन्च किया UPI हेल्प

मुंबई। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने 21 अक्टूबर 2025 को UPI हेल्प नाम का AI-पावर्ड असिस्टेंट लॉन्च किया है। इसका मकसद यूजर्स को डिजिटल पेमेंट्स से जुड़ी दिक्कतों का आसान समाधान देना है। इसमें तीन मुख्य फीचर्स हैं— पहला, यूजर्स के सवालों के जवाब देना ताकि वे UPI के फीचर्स और नियमों को अच्छी तरह समझ सकें। दूसरा, ट्रांजैक्शन कंप्लेंट्स का समाधान यानी पेमेंट स्टेटस चेक करना, शिकायत दर्ज और ट्रैक करना, और बैंक को अतिरिक्त जानकारी भेजना ताकि डिस्प्यूट जल्दी सुलझे। तीसरा, UPI ऑटोपे मेंडेट मैनेजमेंट, जिससे यूजर्स अपने सभी एक्टिव मेंडेट्स (जैसे EMI) को एक जगह देख सकते हैं

चीन ने भारत की पीएलआई योजनाओं को डब्ल्यूटीओ मानदंडों का बताया उल्लंघन

भाषा ▸▸| नई दिल्ली

चीन ने भारत की उन्नत रसायन सेल बैटरी, मोटर वाहन के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की नीति की कुछ शर्तों को वैश्विक व्यापार नियमों का उल्लंघन बताते हुए इनके खिलाफ विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराई है। जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन के एक पत्र के अनुसार, चीन ने विश्व व्यापार संगठन के विवाद निपटान तंत्र के तहत इन उपायों पर भारत के साथ परामर्श की मांग की है। चीन ने कहा कि भारत द्वारा अपनाए गए उपाय आयातित वस्तुओं की तुलना में घरेलू वस्तुओं के उपयोग पर निर्भर हैं और चीन में बने सामानों के साथ भेदभाव करते हैं। ये उपाय एससीएम (सब्सिडी एवं प्रतिपूरक उपाय)

समझौते, जीएटीटी (शुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता) 1994 और टीआरआईएम (व्यापार-संबंधित निवेश उपाय) समझौते के तहत भारत के दायित्वों के अनुरूप नहीं प्रतीत होते हैं। डब्ल्यूटीओ के 20 अक्टूबर के पत्र में कहा गया, ''उपरोक्त पहलुओं के परिणामस्वरूप विवादित कदम उल्लिखित समझौतों के तहत चीन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मिलने वाले लाभों को निष्प्रभावी या कम करते प्रतीत होते हैं।'' इसमें कहा गया कि चीन, भारत का जवाब मिलने तथा परामर्श के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर सहमति बनने की उम्मीद कर रहा है।

जियो-बीपी की पेट्रोल, डीजल की बिक्री जुलाई-सितंबर में 34 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज और प्रमुख ईंधन कंपनी बीपी के संयुक्त उद्यम जियो-बीपी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री में 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। संयुक्त उद्यम अपने खुदरा नेटवर्क का आक्रामक रूप से विस्तार कर रहा है। समीक्षाधीन तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा के बाद कंपनी द्वारा निवेशकों के समक्ष प्रस्तुतीकरण के अनुसार, जुलाई-सितंबर में जियो-बीपी ने 18 लाख किलोलीटर पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री दर्ज की जो एक साल पहले की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, कंपनी को अच्छे मुनाफे से भी मदद मिली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी सीओओ (रिफाइनिंग एवं विपणन) श्रीनिवास टुट्टागुंटा ने निवेशक कॉल में कहा, '' अगर आप पेट्रोल और

डीजल की कुल मात्रा और वृद्धि को देखें, तो हमने इसे लगभग 18 लाख किलोलीटर बेचा। यह 34 प्रतिशत की वृद्धि है। एटीएफ यानी विमान ईंधन हमने लगभग 1,57,000 किलोलीटर बेचा। यह निश्चित रूप से पिछली तिमाही से कम है लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि हम अपनी हिस्सेदारी बनाए हुए हैं।'' रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड, रिलायंस और बीपी का 50:50 संयुक्त उद्यम है। यह जियो-बीपी ब्रांड के तहत काम करता है। इसने पहले ही अपने मोटर वाहन ईंधन खुदरा नेटवर्क को 2,057 तक बढ़ा दिया है।

दिवाली के बाद सोना ₹5,677 और चांदी ₹25,599 सस्ती: -निवेशकों को झटका, खरीदारों के लिए मौका

नई दिल्ली। दिवाली के बाद भारतीय बाजार में सोना और चांदी दोनों की कीमतों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। त्योहारों के दौरान जहां सोने-चांदी के भाव लगातार ऊंचाई पर जा रहे थे, वहीं अब उनमें अचानक बड़ी गिरावट ने निवेशकों और खरीदारों दोनों को चौंका दिया है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, 22 अक्टूबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम ₹1,23,907 पर आ गया है, जो कि पिछले कारोबारी सत्र से ₹3,726 कम है। यह गिरावट दिवाली के तुरंत बाद देखने को मिली है। इससे पहले 20 अक्टूबर को सोने का भाव ₹1,27,633 था, जबकि 17 अक्टूबर को सोना ₹1,29,584 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। यानी सोना अपने ऑल टाइम हाई से ₹5,677 सस्ता हो गया है।

चांदी में भी रिकॉर्ड गिरावट

चांदी के दाम में भी जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। एक ही दिन में चांदी ₹10,549 प्रति किलो तक गिर गई। अब इसका भाव ₹1,52,501 प्रति किलो हो गया है। इससे पहले चांदी ₹1,63,050 प्रति किलो पर बिक रही थी। यानी 14 अक्टूबर को चांदी ₹1,78,100 के रिकॉर्ड स्तर पर थी, जो अब ₹25,599 सस्ती हो गई है।

क्यों गिरे दाम?

जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के पीछे कई कारण हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी: अमेरिका और यूरोप के बाजारों में सोने-चांदी की मांग घटने से दामों में नरमी आई है। डॉलर की मज़बूती: डॉलर के मजबूत होने से सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतें नीचे आई हैं। जियोपॉलिटिकल स्थिरता: मिडिल ईस्ट में तनाव कुछ कम होने और तेल के दामों में नरमी आने से निवेशकों ने सुरक्षित निवेश (Safe Haven) के रूप में सोने की तरफ से ध्यान हटाया है। घरेलू मांग में कमी: दिवाली के बाद आमतौर पर ज्वेलरी की मांग घट जाती है, जिससे घरेलू बाजार में भी दामों पर दबाव बनता है।

निवेशकों और खरीदारों पर असर

जहां निवेशकों को इस गिरावट से अस्थायी नुकसान हुआ है, वहीं सोना-चांदी खरीदने की सोच रहे ग्राहकों के लिए यह एक बेहतरीन मौका माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतों में यह गिरावट अस्थायी है और लंबे समय में सोना फिर से ऊपर जा सकता है। इसलिए जिन लोगों की शादी या निवेश की योजना है, उनके लिए यह सही समय हो सकता है।

आगे का रुख

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर वैश्विक बाजारों में डॉलर मज़बूत रहता है और जियोपॉलिटिकल तनाव नहीं बढ़ता, तो आने वाले दिनों में सोना और कुछ नीचे आ सकता है। हालांकि, दीर्घकालिक निवेश के लिहाज से सोना अब भी एक सुरक्षित विकल्प बना हुआ है।

5.40 लाख करोड़ उत्पाद बिके, 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए

दिवाली पर रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ की हुई बिक्री : कैट

भाषा ▸▸| नई दिल्ली

इस साल भारत में दिवाली के मौके पर रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जिसमें से 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री, जबकि 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए। व्यापारियों के संगठन कैट ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने एक बयान में कहा कि हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में की गई कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास के कारण इस साल दिवाली पर रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है। कैट ने यह आंकड़ा देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी किया। इनमें राज्यों की राजधानियां और दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के

शहर शामिल हैं। कारोबारी संगठन के मुताबिक, पिछले साल दिवाली पर बिक्री 4.25 लाख करोड़ रुपये रही थी।

स्थिर मूल्यों ने उपभोक्ताओं की संतुष्टि को बढ़ाया

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने कहा कि सेवाओं के क्षेत्र ने पैकेजिंग, आतिथ्य, कैब सेवाएं, यात्रा, कार्यक्रम आयोजन, टेंट एवं सजावट, मानव संसाधन और आपूर्ति से 65,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया। सर्वे में शामिल 72 प्रतिशत व्यापारियों ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं, जूते, परिधान, कन्फेक्शनरी, घरेलू साजसज्जा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को उच्च बिक्री का मुख्य कारण बताया। रिपोर्ट कहती है कि स्थिर मूल्य ने उपभोक्ताओं की संतुष्टि बढ़ाई और उत्सव के दौरान खर्च को प्रोत्साहित किया। दिवाली पर कारोबारी गतिविधियां बढ़ने से 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए, जिसमें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों ने कुल व्यापार का 28 प्रतिशत हिस्सा लिया।

गैर-कॉरपोरेट और पारंपरिक बाजारों का 85 प्रतिशत योगदान

मुख्यधारा की खुदरा बिक्री, खासकर गैर-कॉरपोरेट और पारंपरिक बाजारों का कुल व्यापार में 85 प्रतिशत योगदान रहा। यह ऑनलाइन खरीदारी के दौर में छोटे व्यापारियों और भौतिक बाजारों की मजबूत वापसी को दर्शाता है। क्षेत्रवार बिक्री के मामले में राशन सामग्री और रोजमर्रा के सामान 12 प्रतिशत, सोना एवं आभूषण 10 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं बिजली उपकरण आठ प्रतिशत, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद सात प्रतिशत, रेडिमेड कपड़े सात प्रतिशत, उपहार सात प्रतिशत, घरेलू सजावट पांच प्रतिशत रहे। इसके अलावा फर्निशिंग एवं फर्नीचर पांच प्रतिशत, मिठाई और नमकीन पांच प्रतिशत, कपड़ा एवं वस्त्र चार प्रतिशत, पूजा सामग्री तीन प्रतिशत और फल एवं सूखे मेवे तीन प्रतिशत भी शामिल हैं।

एशिया कप ट्रॉफी प्रकरण में बीसीसीआई के समर्थन में श्रीलंका और अफगानिस्तान

- नकवी ने कहा, बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय से ट्रॉफी ले सकता है
- भारतीय बोर्ड का इनकार किया, बीसीसीआई अगले माह आईसीसी की बैठक में उठाएगा मुद्दा

भाषा ⏭ नई दिल्ली

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध बना हुआ है और बीसीसीआई को श्रीलंका तथा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन मिलने के बावजूद एशिया क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं हैं। ट्रॉफी अभी तक चैम्पियन भारतीय टीम को मिली नहीं है। एसीसी के एक शीर्ष सूत्र ने बताया कि नकवी ने कहा है कि बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय से ट्रॉफी उनसे ले सकता है, लेकिन भारतीय बोर्ड ने इससे इनकार किया। बीसीसीआई अगले महीने आईसीसी की बैठक में यह मसला उठायेगा। एसीसी सूत्र ने कहा, 'बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया, एसीसी में बीसीसीआई के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला और श्रीलंका तथा अफगानिस्तान समेत अन्य सदस्य बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह एसीसी को पत्र लिखकर ट्रॉफी भारत को देने के लिये कहा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन उनका जवाब था कि बीसीसीआई से किसी को दुबई आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी। इसलिए मामले में गतिरोध बना हुआ है।

एशिया क्रिकेट परिषद के पाक प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं

अब फैसला आईसीसी की बैठक में होगा

बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि वह नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। अब इस पर फैसला आईसीसी की बैठक में होगा।' आईसीसी के प्रमुख बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय पर है चूंकि भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल के बाद इसे नकवी से लेने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद वह ट्रॉफी लेकर चले गए। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और अपने देश के गृहमंत्री भी हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भारतीय टीम ने एशिया कप के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले हुए और तीनों भारत ने जीते।

नकवी को आड़े हाथों लिया था

नकवी ने एशिया कप के दौरान अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत की सैन्य कार्रवाई का मजाक उड़ाने वाले वीडियो और मीम्स डाले थे। ट्रॉफी प्रकरण के बाद दोनों देशों के प्रतिनिधियों का आमना सामना एसीसी बैठक में भी हुआ जिसमें बीसीसीआई अधिकारियों ने ट्रॉफी नहीं देने के लिये नकवी को आड़े हाथों लिया था। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान रवाना होने से पहले नकवी ने एसीसी स्टाफ को निर्देश दिया है कि उनके निर्देशों के बिना ट्रॉफी किसी को नहीं दी जाए या हटाई नहीं जाए।

खबर संक्षेप

गोवा में 31 अक्टूबर से होगी फिडे विश्व कप शतरंज चैम्पियनशिप

पणजी। फिडे विश्व कप शतरंज चैम्पियनशिप गोवा में 31 अक्टूबर से 27 नवंबर तक होगी जिसका लोगो और गीत मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को लांच किया। आयोजकों ने यहां जारी बयान में कहा कि विश्व कप विजेता को ट्रॉफी के साथ 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में तीन स्थान भी मिलेंगे। इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों में विश्व चैम्पियन डी गुकेश, अर्जुन एरिगेसी, आर प्रज्ञानानंदा, अनीश गिरी, वेसली सो, विंसेंट केमेर, हैंस नीमैन, नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, इयान नेपोम्नियाश्चि , रिचर्ड रेपोर्ट, विदित गुजराती, निहाल सरीन शामिल हैं। भारत की उदीयमान सितारा दिव्या देशमुख वाइल्ड कार्ड के जरिये ओपन वर्ग में खेलेंगी।

भारतीय एथलेटिक्स टीम का पहला जत्था रांची पहुंचा

रांची। भारतीय एथलेटिक्स दल का पहला जत्था 24 से 26 अक्टूबर तक मोरहाबादी स्थित प्रतिष्ठित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होने वाली दक्षिण एशियाई सैफ सीनियर चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंच गया। धावक प्रणव गुरव, उत्तम पाटिल और अर्नव टाकलकर अपने कोच के साथ सबसे पहले पहुंचे, जिससे तीन दिवसीय महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारतीय अभियान की तैयारी की शुरुआत हुई।

अभय अमेरिकी ओपन में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी माकिन से हारे

फिलाडेल्फिया। भारत के अग्रणी खिलाड़ी अभय सिंह यहां 226,000 डॉलर इनामी पीएसए प्लेटिनम प्रतियोगिता अमेरिकी ओपन स्क्वाश के राउंड ऑफ16 में

वेल्स के तीसरे वरीय जोएल माकिन से हार गए। एशियाई खेलों में कई पदक जीतने वाले और विश्व में 30वें नंबर के खिलाड़ी 27 वर्षीय अभय को सोमवार को विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी से 2-11, 5-11, 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। अभय ने पिछले महीने दोहा में खेली गई प्रतियोगिता में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी करीम गवाद को हरा कर अपने कौशल का शानदार परिचय दिया था।

लक्ष्य सेन फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हारकर बाहर

पेरिस। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी ने जीत के साथ शुरुआत की लेकिन लक्ष्य सेन मंगलवार को यहां पुरुष एकल के पहले दौर में आयरलैंड के एनहात एनगुएन के खिलाफ सीधे गेम में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य शुरुआत से ही लय में नहीं दिखे और उन्हें दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी एनगुएन के खिलाफ 7-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। रोहन और रुतविका ने मिश्रित युगल के पहले दौर में ओलेक्सी तितोव और येवहेनिया केंटेमिर की यूक्रेन की जोड़ी के खिलाफ 21-12, 21-19 की जीत के साथ शुरुआत की।

अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंची अफ्रीका की टीम

दक्षिण अफ्रीका ने महिला विश्व कप मैच में पाकिस्तान को 150 रन से रौंदा

अफ्रीका ने विश्व कप में पहली बार लगातार पांच जीत दर्ज की

भाषा ⏭ कोलंबो

- टूर्नामेंट में पहली जीत का इंतजार कर रहा पाकिस्तान दो अंक के साथ अंतिम स्थान पर

कप्तान लॉरा वोलवार्ट की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका वर्षा से प्रभावित महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान को मंगलवार को यहां डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 150 रन से रौंदकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गया। दक्षिण अफ्रीका ने इसके साथ ही विश्व कप में पहली बार लगातार पांच जीत दर्ज की। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के छह मैच में पांच जीत से 10 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका के शीर्ष पर है। टूर्नामेंट में पहली जीत का इंतजार कर रहा पाकिस्तान दो अंक के साथ अंतिम स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है जबकि पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है। सलामी बल्लेबाज लॉरा ने 82 गेंद में 10 चौकों और दो छक्कों से 90 रन की पारी खेलने के अलावा सुने लूस (61 रन, 59 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी करके टीम के 40 ओवर में नौ विकेट पर 312 रन रन के मजबूत स्कोर की नींव रखी। अनुभवी मारिजेन कैप (नाबाद 68, 43 गेंद, छह चौके, तीन छक्के) और नेदिन डि क्लर्क (41 रन, 16 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से नाशरा संधू ने 45 जबकि सादिया इकबाल ने 63 रन देकर तीन विकेट चटकाए। पाकिस्तान को मैच में बारिश के कई बार खलल डालने के बाद अंततः 20 ओवर 234 रन का लक्ष्य मिला लेकिन टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और अंततः सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कैप ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कैप ने सलामी बल्लेबाज ओमैमा सोहेल (06), सिदरा अमीन (13) और आलिया रियाज (03) को पवेलियन भेजा। नोनदुसिमो शेनगेस ने भी 19 रन देकर दो विकेट चटकाए। उन्होंने नतालिया परवेज (20) और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना (02) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की आसान जीत सुनिश्चित की। पाकिस्तान की ओर से नतालिया और सिदरा नवाज (नाबाद 22) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाईं। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे ओवर में ही ताजमिन ब्रिट्स (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने फातिमा की गेंद पर नतालिया परवेज को कैच थमाया। लॉरा और लूस ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने अर्धशतक जड़े और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचया। लूस के आउट होने के बाद वोलवार्ट ने अनुभवी कैप के साथ भी चौथे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। लॉरा ने विकेट के चारों तरफ आकर्षक शॉट खेले।

हीली की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम संयोजन में कर सकती है बदलाव

इंदौर। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली के चोटिल होने के बाद चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में अपने टीम संयोजन में बदलाव करना होगा। सेमीफाइनल में पहले ही जगह बना चुकीं दोनों टीमों का लक्ष्य शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा। दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस मैच में जो भी टीम जीत हासिल करेगी उसका शीर्ष स्थान पक्का हो जाएगा। इसके अलावा उसे सेमीफाइनल से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया को मैच से पहले करारा झटका लगा है क्योंकि हीली को शनिवार को अभ्यास के दौरान पिंडली में मामूली खिंचाव आ गया है। उनकी गैर मौजूदगी में चयन की समस्या पैदा हो गई है क्योंकि हीली कप्तान, सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर तीनों है। मुख्य कोच शैली निश्के ने मैच से पूर्व कहा ,'हमें अभी पता चला है कि हीली नहीं खेल सकेंगी लिहाजा हम संयोजन पर विचार कर रहे हैं ।' फीबी लिचफील्ड के साथ जॉर्जिया वोल पारी का आगाज कर सकती है जबकि बेथ मूनी विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभायेंगी।

क्रिकेट

पंत फिट, अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी करेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड दौरे के दौरान पैर में लगी चोट से पूरी तरह उबरने के बाद मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ लाल गेंद की श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में बल्लेबाजी करते समय पैर में चोट लग गई थी और इसके बाद वह एशिया कप और हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। क्रिस वोक्स की गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लगी, लेकिन इसके बावजूद वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरे और उन्होंने अर्धशतक बनाया। चयनकर्ताओं ने उन्हें 30 अक्टूबर से बेंगलुरु में होने वाले दोनों मैचों के लिए भारत ए टीम में शामिल किया है। इससे पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए तैयारी करने का मौका मिलेगा।

साई सुदर्शन उप कप्तान नियुक्त

साई सुदर्शन को इन दो चार दिवसीय मैचों के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया है। उनके अलावा केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में शामिल किया गया है। यह सभी खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। प्रसिद्ध, सिराज, आकाश दीप और जुरेल छह से नौ नवंबर तक होने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। पहले मैच के लिए एन जगदीसन टीम में दूसरे विकेटकीपर होंगे। घरेलू खिलाड़ियों में यह देखना दिलचस्प होगा कि तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और खलील अहमद कैसा प्रदर्शन करते हैं। दक्षिण अफ्रीका की ए टीम की कप्तानी बल्लेबाज मार्केस एकरमैन करेंगे, जबकि सीनियर टीम के कप्तान तेम्बा बावुमा भी इसमें शामिल होंगे, जो पिंडली की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं।

अंडर 23 विश्व चैम्पियनशिप

विश्वजीत कांस्य पदक की दौड़ में, तीन अन्य ग्रीको रोमन पहलवान पहले दौर में हारे

एजेंसी ⏭ नोवी साद (सर्बिया)

विश्वजीत मोरे मंगलवार को यहां अंडर 23 विश्व चैम्पियनशिप के 55 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक की दौड़ में बने रहे जबकि ग्रीको रोमन में बाकी तीन भारतीय पहलवान पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। मोरे ने किर्गीस्तान के डेनिस फ्लोरिन मिहाइ को 6.2 से हराकर शुरूआत की। इसके बाद अमेरिका के कीनिथ एंड्रयू क्रासबे को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 9.1 से हराया। मोरे को हालांकि क्वार्टर फाइनल में अलिबेक अमिरोव के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा। अमिरोव ने बाद में फाइनल में जगह बनाई जिससे मोरे के रेपेचेज के जरिए चुनौती पेश करने का रास्ता खुल गया। अमिरोव यूडब्ल्यूडब्ल्यू के ध्वज तले चुनौती पेश कर रहे हैं।वहीं निशांत (67 किलो), अनिल (72 किलो) और नमन (97 किलो) पहले दौर में हार गए। निशांत को अजरबैजान के फराइम मुस्तफायेव ने 8.3 से हराया जबकि अनिल को आर्मेनिया के गैस्पर टी ने 6.1 से मात दी।

भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम एशियाई युवा खेलों के लिए बहरीन रवाना

भाषा ⏭ नई दिल्ली

भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम 23 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे एशियाई युवा खेलों में भाग लेने के लिए मनामा, बहरीन के लिए रवाना हो गई है। टीम में ध्रुव खरब, उधम सिंह राघव, खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरशी पुजारी जैसे मुक्केबाज शामिल हैं जिन्होंने हाल में भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम में कई ऐसे मुक्केबाज भी शामिल हैं जिन्होंने जुलाई 2025 में एशियाई अंडर-17 चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जहां भारत ने 43 पदक जीते थे और कुल मिलाकर दूसरा स्थान हासिल किया था। टीम का चयन इस वर्ष की शुरुआत में आयोजित छठी अंडर-17 जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर किया गया था, जहां स्वर्ण पदक विजेताओं का सीधा चयन हुआ था, जबकि रजत पदक विजेताओं को रिजर्व के रूप में चुना गया था। भारतीय टीम अंडर-17 आयु वर्ग में 14 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेगी। इसमें लड़कों और लड़कियों के लिए सात-सात भार वर्ग शामिल हैं।

रिजवान की जगह शाहीन शाह अफरीदी बने पाक की वनडे टीम के कप्तान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला से पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को अपनी वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया है, जो मुहम्मद रिजवान की जगह लेंगे। पीसीबी ने सोमवार को कहा कि शाहीन चार से आठ नवंबर तक फैसलाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में पाकिस्तान की टीम का नेतृत्व करेंगे। पीसीबी ने कहा कि शाहीन अफरीदी को कप्तान बनाने का फैसला इस्लामाबाद में हुई बैठक में लिया गया जिसमें राष्ट्रीय चयनकर्ता, सलाहकार बोर्ड के सदस्य और सीमित ओवरों की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच माइक हेसन शामिल हुए। शाहीन को 2023 के आखिर में राष्ट्रीय टी20 कप्तान भी बनाया गया था, लेकिन न्यूजीलैंड में सिर्फ एक श्रृंखला के बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। उनकी जगह फिर से बाबर आजम को कप्तान बनाया गया था जिन्होंने पिछले विश्व टी20 कप में पाकिस्तान की टीम का नेतृत्व किया था।

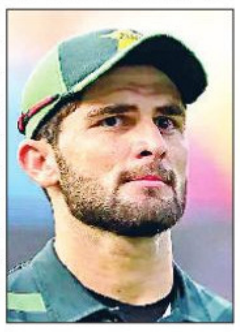

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पता चलेगा कि रोहित-कोहली 2027 विश्व कप तक खेल सकते हैं या नहीं: पोंटिंग

एजेंसी ⏭ दुबई

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला में प्रदर्शन यह निर्धारित करेगा कि यह स्टार भारतीय जोड़ी 2027 विश्व कप तक खेल सकती है या नहीं। अब केवल वनडे प्रारूप में खेलने वाले कोहली और रोहित मार्च के बाद जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाए। भारत यह मैच सात विकेट से हार गया था। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा एकदिवसीय मैच गुरुवार को एडिलेड में होगा, जहां की परिस्थितियां पर्थ की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल होंगी। पोंटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ 'आईसीसी रिव्यू' पर बात करते हुए कहा कि इस दिग्गज जोड़ी को केवल 2027 वनडे विश्व कप के बारे में सोचने के बजाय अपने लिए अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। पोंटिंग ने कहा, ''एक बात जो मुझे किसी से सुनना पसंद नहीं है, वह यह है कि 'मैंने खेल में सब कुछ हासिल कर लिया है', क्योंकि मुझे लगता है कि आपके पास अब भी कुछ अल्पकालिक लक्ष्य होने चाहिए। आपको केवल 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में नहीं सोचना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''विराट शुरू से ही एक बेहद प्रेरणादायी इंसान रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के लिए कुछ लक्ष्य तय कर लिए होंगे। वह अगले विश्व कप के बारे में सोच कर अपना समय बर्बाद नहीं कर रहे होंगे। यह देखना होगा कि क्या वे विश्व कप तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रख पाएंगे। जैसा कि रवि ने कहा, हमें इस श्रृंखला के दौरान इसका जवाब मिल जाएगा।'' पहले वनडे में रोहित और कोहली का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा लेकिन शास्त्री का मानना है कि सीमित ओवरों के इन दो महान खिलाड़ियों को अधिक समय दिया जाना चाहिए।

स्मृति ने इंग्लैंड की कप्तान ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बनाई

मंधाना शीर्ष पर, दीप्ति गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर

- स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं
- इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली

भाषा ⏭ दुबई

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बना ली है। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर हैं, जबकि इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर हैं। स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी। स्मृति ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ की बल्लेबाज को विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं। फॉर्म में चल रही दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) ने भी बल्ले से अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में अपनी जगह मजबूत की है।

शीर्ष 10 के बाहर भी कुछ बदलाव

शीर्ष 10 के बाहर भी कुछ बदलाव हुए हैं जिसमें भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर (तीन स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर), ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड (पांच स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर) और इंग्लैंड की अनुभवी हीथर नाइट (15 स्थान के फायदे से 18वें पायदान पर) सभी को विश्व कप में बल्ले से उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति ने विश्व कप में अब तक पांच मैच में 13 विकेट की बदौलत तीन स्थान के फायदे से तीसरा स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एलेना किंग दो स्थान के सुधार के साथ सातवें स्थान पर हैं जबकि पाकिस्तान की तीन खिलाड़ियों नशरा संधू (तीन स्थान के सुधार के साथ 11वें स्थान पर), सादिया इकबाल (पांच स्थान के सुधार के साथ 14वें स्थान पर) और फातिमा सना (पांच स्थान के सुधार के साथ 24वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। फातिमा ने एकदिवसीय ऑलराउंडर की सूची में अपनी स्थिति मजबूत की है जिसमें ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर शीर्ष पर हैं। फातिमा पांच स्थान के सुधार के साथ 15वें स्थान पर हैं जबकि श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू एक स्थान के फायदे से सातवें पायदान पर है।

महागठबंधन में सीटों और घोषणा पत्र को लेकर तनातनी:

-तेजस्वी-गहलोत की बैठक से सुलझेगा विवाद?

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में सीटों और साझा घोषणा पत्र को लेकर कांग्रेस और RJD के बीच खींचतान बढ़ गई है। इस स्थिति को सुलझाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने अपने वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पटना भेजा है। गहलोत बुधवार सुबह पटना पहुंचे और उन्होंने RJD प्रमुख तेजस्वी यादव से मुलाकात की। यदि यह बैठक सकारात्मक परिणाम देती है तो गुरुवार को महागठबंधन की तरफ से ज्वॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने भी तेजस्वी यादव से बात की है ताकि सीटों के बंटवारे और साझा घोषणा पत्र को लेकर उत्पन्न विवाद को हल किया जा सके।

यह विवाद महागठबंधन के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर रहा है, क्योंकि बिहार में कुछ स्थानों पर महागठबंधन के दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। कुल मिलाकर 12 सीटों पर गठबंधन के दल प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने गठबंधन पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इंकार कर दिया और कहा कि गठबंधन के मुद्दों पर कल बात की जाएगी। इसका मतलब है कि महागठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे और चुनावी रणनीति को लेकर अभी तक अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। बीजेपी और अन्य पार्टियों की बढ़ती चुनौती को देखते हुए महागठबंधन के लिए यह जरूरी है कि वे आपसी मतभेद को जल्द सुलझाएं और एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरें। सीटों के बंटवारे और साझा घोषणा पत्र पर मतभेद किसी भी गठबंधन के लिए गंभीर समस्या बन सकते हैं, क्योंकि यह गठबंधन की चुनावी ताकत और रणनीति को सीधे प्रभावित करता है। वहीं, तेजस्वी यादव ने आज चुनावी घोषणाएं भी की हैं, जो उनके चुनावी एजेंडा का हिस्सा हैं। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण चुनावी घोषणाओं की जानकारी दी। पहली घोषणा यह है कि सीएम जीविका दीदियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाएगा। उनकी मासिक सैलरी 10,000 रुपए से बढ़ाकर 30,000 रुपए कर दी जाएगी। यह घोषणा विशेष रूप से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और समाज के निम्न वर्ग की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। दूसरी घोषणा के अनुसार, सभी संविदा कर्मियों को स्थायी किया जाएगा। यह कदम बिहार के संविदा कर्मचारियों के लिए रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संविदा कर्मचारियों की बड़ी संख्या राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत है और उनकी नौकरी की अस्थिरता हमेशा एक विवाद का विषय रही है। तीसरी और सबसे बड़ी घोषणा यह की गई कि हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। यह घोषणा बिहार के युवाओं और बेरोजगारों के लिए महत्वपूर्ण चुनावी वादा है। बिहार में बेरोजगारी की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, और यह वादा युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। महागठबंधन के भीतर कांग्रेस और RJD के बीच चल रही खींचतान को देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि इन घोषणाओं का असर गठबंधन की एकता पर कितना पड़ेगा। अगर सीटों और साझा घोषणा पत्र पर विवाद नहीं सुलझा तो यह महागठबंधन के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। दूसरी तरफ, यदि अशोक गहलोत की मध्यस्थता सफल रही और बैठक में सभी मुद्दे सुलझ गए, तो गुरुवार को होने वाली ज्वॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस महागठबंधन के लिए मजबूत संदेश होगी कि वे एकजुट हैं और चुनाव में मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की सफलता उनके भीतर की एकता पर निर्भर करेगी। अगर गठबंधन दल आपसी मतभेद को हल करने में सफल रहे और साझा घोषणा पत्र के तहत स्पष्ट रणनीति तैयार कर लें, तो उन्हें चुनाव में बढ़त मिल सकती है। इसके अलावा, तेजस्वी यादव की घोषणाओं ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि महागठबंधन सामाजिक और आर्थिक सुधारों के एजेंडे पर चुनाव लड़ रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव के इस महत्वपूर्ण दौर में महागठबंधन की रणनीति, सीट बंटवारा और साझा घोषणाएं बड़े पैमाने पर चुनाव परिणाम को प्रभावित करेंगी। अगर अशोक गहलोत की मध्यस्थता सफल रही और सभी दलों में सामंजस्य स्थापित हुआ, तो महागठबंधन एकजुट होकर चुनावी मुकाबले में उतर सकेगा।

दिल्ली और 12 राज्यों में फैला बीमा-फ्रॉड नेटवर्क

-100 करोड़ की ठगी, मृतकों के नाम बीमा पास

दिल्ली । यह कहानी बीमा जालसाजी और फ्रॉड की है, जो अब केवल एक राज्य तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश के 12 राज्यों में फैल चुकी है। यूपी के संभल पुलिस ने पिछले 10 महीनों से इस नेटवर्क की जांच की और अब तक 68 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह नेटवर्क इतना संगठित है कि इसमें 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की पुष्टि हुई है, और जांच अभी भी जारी है।

कहानी की शुरुआत दिल्ली के शालीमार गार्डन में रहने वाले त्रिलोक कुमार से हुई। एक अनोखी घटना सामने आई—ऐसे शख्स जिनकी 6 महीने के अंदर दो बार मौत हुई। पहली बार 19 जून 2024 को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से और दूसरी बार 27 दिसंबर 2024 को हार्ट अटैक से। दोनों बार दिल्ली नगर निगम के डॉक्यूमेंट पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया। इन दस्तावेजों की मदद से 20 लाख रुपए का बीमा पास कर दिया गया। यह मामला सिर्फ जालसाजों के नेटवर्क का एक छोटा हिस्सा है। जांच में यह सामने आया कि शुरुआत में केवल गरीब और बीमार लोगों का बीमा कराया जा रहा था। धीरे-धीरे नेटवर्क का दायरा बढ़ता गया और मरे हुए लोगों के नाम पर भी फर्जी बीमा पास होने लगा। इसके लिए हत्या जैसी गंभीर घटनाएं भी कराई गईं, लेकिन पुलिस रिकॉर्ड में इन्हें मामूली सड़क हादसों या प्राकृतिक मौत के रूप में दर्ज किया गया। इस नेटवर्क की खासियत यह है कि यह बहुत ही संगठित और पेशेवर तरीके से काम करता है। पहले यह एक मॉडस ऑपरेन्डी (modus operandi) के तहत काम करता था—गरीब और बीमार लोगों के बीमा दस्तावेज तैयार करना। फिर जब पुलिस ने जांच बढ़ाई, तो पता चला कि मृत व्यक्तियों के नाम पर बीमा पास कर लिया जा रहा है और रकम हड़प ली जा रही है। इस पूरी घटना से बीमा कंपनियों और आम नागरिकों दोनों के लिए चेतावनी निकलती है। यदि डॉक्यूमेंट्स और बीमा प्रक्रियाओं की जांच सही ढंग से नहीं की गई, तो लाखों-करोड़ों रुपये का नुकसान आसानी से हो सकता है। इस मामले ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि सिर्फ दस्तावेजों पर भरोसा करना बहुत खतरनाक साबित हो सकता है। संभल पुलिस ने इस पूरे फ्रॉड नेटवर्क की तह तक जाकर कई अहम सुराग जुटाए हैं। गिरफ्तार किए गए 68 लोगों में फर्जी बीमा दस्तावेज तैयार करने वाले एजेंट, मृतकों के नाम पर बीमा कराने वाले दलाल और कुछ ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने हत्या जैसी घटनाओं में सीधे या indirecly भाग लिया। जांच से यह भी पता चला कि यह नेटवर्क केवल दिल्ली या यूपी तक सीमित नहीं था। यह पूरे देश के 12 राज्यों में फैला हुआ था, और इसके चलते 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की गई। इस जालसाजी में विभिन्न स्तरों पर लोग शामिल थे—बीमा एजेंट, डॉक्यूमेंट तैयार करने वाले कर्मचारी, और अपराधियों का एक ऐसा समूह जो मौत और जीवन के आंकड़ों को अपनी मर्जी के मुताबिक बदल देता था।

तमिलनाडु और दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश

-स्कूल-कॉलेज बंद; मरीना बीच पर तूफान का खतरा

तमिलनाडु। देश के दक्षिणी हिस्सों में बीते दो दिन से उत्तर-पूर्वी मानसून की सक्रियता के चलते लगातार तेज बारिश हो रही है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में भारी वर्षा के कारण प्रशासन ने अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। विशेषकर तमिलनाडु में बुधवार को भारी बारिश की चेतावनी है और कई जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। तमिलनाडु में बारिश का सबसे अधिक असर तिरुवल्लूर, चेन्नई, कांचीपुरम, चेंगलपट् और डेल्टा जिलों में देखा जा रहा है। इन जिलों में मंगलवार से लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते राज्य सरकार ने प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया है। चेन्नई में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं और अगले चार दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसी तरह कुड्डालोर, विल्लुपुरम, रानीपेट और थूथुकुडी जिलों में भी स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित की गई है। बारिश के बीच चेन्नई के मरीना बीच पर तेज समुद्री लहरें और मजबूत हवाएं देखी जा रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक तटीय इलाकों में तूफान की आशंका बनी रहेगी। प्रशासन ने मछुआरों और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से विशेष सावधानी बरतने और अनावश्यक समुद्र यात्रा से बचने की सलाह दी है। केरल में भी उत्तर-पूर्वी मानसून की सक्रियता जारी है। राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश हो रही है और कुछ जगहों पर जलभराव की स्थितियां बनी हुई हैं। इसके चलते कई जिलों में स्कूल-कॉलेज को बंद करने की स्थितियां बनी हैं। पुडुचेरी और कराईकल में भी भारी बारिश के कारण स्कूल-कॉलेज बंद हैं। यहां प्रशासन ने स्थानीय लोगों को सतर्क रहने और पानी के निकास के रास्तों को साफ रखने का निर्देश दिया है। आंध्र प्रदेश में भी बारिश का दौर जारी है। नेल्लोर जिले में प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है। जिले के स्कूलों में आज छुट्टी कर दी गई है। अधिकारियों ने नागरिकों को सार्वजनिक जगहों पर आने-जाने में सतर्क रहने और नदी व जलाशयों के पास जाने से बचने की हिदायत दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर-पूर्वी मानसून की सक्रियता से तमिलनाडु और अन्य दक्षिणी राज्यों में आने वाले दिनों में तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। अतः लोग बचाव के उपाय अपनाएं और मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों पर ध्यान दें।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन:

-कर्मचारी फूड डिलीवरी कर रहे हैं, 22 दिन से सैलरी रुकी

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) । अमेरिका में सरकारी कर्मचारियों के लिए हालात बेहद कठिन हो गए हैं क्योंकि देश में जारी सरकारी शटडाउन का असर उनके रोजमर्रा के जीवन पर सीधा पड़ रहा है। लगभग 7.5 लाख सरकारी कर्मचारी 22 दिनों से अपनी सैलरी से वंचित हैं। इसके चलते कई लोग अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने और गृह ऋण, कार ईएमआई या अन्य बुनियादी खर्चों के लिए अस्थायी नौकरियों या फूड डिलीवरी जैसी रोजगार गतिविधियों में जुट गए हैं। ये सरकारी कर्मचारी, जो सामान्य रूप से देश की सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं में लगे रहते हैं, अब अपने जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकारी शटडाउन 1 अक्टूबर से शुरू हुआ था और अब यह 22वें दिन में है। इसका मुख्य कारण संसद के ऊपरी सदन, यानी सीनेट में फंडिंग बिल पर सहमति न बनना है। 20 अक्टूबर को इस बिल पर 11वीं बार वोटिंग हुई, लेकिन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प का प्रस्ताव फिर से खारिज कर दिया गया। इससे अमेरिका का यह दूसरा सबसे लंबा शटडाउन बन गया है। शटडाउन के कारण कई सरकारी विभाग पूरी तरह से बंद हैं और कर्मचारियों को बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है। सरकारी कर्मचारियों के लिए यह समय आर्थिक और मानसिक दोनों दृष्टियों से चुनौतीपूर्ण है। कई लोग अपने घरों का खर्च, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए फूड डिलीवरी, किराने की दुकानों में अस्थायी काम या ऑनलाइन जॉब्स जैसे विकल्प अपना रहे हैं। वहीं कुछ लोग अपने दोस्तों और परिवार से आर्थिक मदद मांगने पर मजबूर हैं।

मध्यप्रदेश में हर जिले में दवाओं की जांच की तैयारी:

-211 करोड़ के प्रस्ताव के साथ सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने का प्रयास

भोपाल । मध्यप्रदेश में जहरीले सिरप से 26 बच्चों की मौत के दुखद घटनाक्रम के बाद राज्य सरकार ने दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाने का निर्णय लिया है। अब राज्य सरकार ने दवाओं में मिलावट और नकली दवाओं की जांच को माइक्रो लेवल तक पहुंचाने की योजना बनाई है। इसके तहत पूरे दवा परीक्षण और निगरानी प्रणाली को अपग्रेड करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे केंद्र सरकार को भेजा गया है। इस योजना पर करीब 211 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है और इसे राज्य औषधि सुरक्षा और नियामक सुदृढ़ीकरण योजना (SSDRS 2.0) के तहत प्रस्तुत किया गया है। अब तक राज्य में दवाओं की जांच केवल भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर तक सीमित थी। लेकिन इस नए प्रस्ताव के लागू होने पर हर जिले में दवाओं की गुणवत्ता की नियमित जांच संभव होगी। इसके लिए प्रत्येक जिले में स्वतंत्र ड्रग इंस्पेक्टर के कार्यालय खोलने की योजना है। राज्य सरकार ने इसके लिए 110 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इससे न केवल दवाओं की समय पर जांच होगी बल्कि नकली या मिलावटी दवाओं की पहचान भी तुरंत की जा सकेगी। इसके अलावा, चारों स्टेट ड्रग लैब को आधुनिक तकनीक से अपग्रेड करने के लिए 50 करोड़ रुपए का खर्च प्रस्तावित किया गया है। इन लैबों में उच्च तकनीक वाले उपकरण और नई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि जटिल और संवेदनशील जांचें भी आसानी से हो सकें। इसके तहत माइक्रोबायोलॉजी लैब का निर्माण भी शामिल है। इस लैब में ऐसी जांचें की जा सकेंगी, जो अब तक अन्य लैबों में नहीं हो पा रही थीं। यह कदम दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा के मानकों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल लैब की मदद से हर जिले में दवाओं की नियमित जांच की जाएगी। इससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि जांच की पहुंच भी सीधे गांव और कस्बों तक होगी। मोबाइल लैब में प्रशिक्षित तकनीशियन होंगे, जो दवाओं के नमूनों की जांच कर तुरंत रिपोर्ट तैयार कर सकेंगे। इसके अलावा, लैब और ऑफिसर के बीच डिजिटल प्रणाली से डेटा साझा किया जाएगा, जिससे दवाओं की निगरानी पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम मध्यप्रदेश में दवाओं की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में ऐतिहासिक बदलाव लाएगा। जहरीले सिरप की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि दवाओं की निगरानी और जांच प्रणाली मजबूत नहीं होगी, तो इससे न केवल आम लोगों की जान खतरे में होगी बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली पर भी बड़ा संकट आ सकता है। इस योजना से हर जिले में दवाओं की नियमित और समयबद्ध जांच सुनिश्चित होगी।

भारत ने काबुल में दूतावास खोला:

-तालिबान को मान्यता देने पर फिलहाल कोई फैसला नहीं

काबुल (एजेंसी) । भारत ने मंगलवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अपने तकनीकी मिशन को अब आधिकारिक रूप से दूतावास का दर्जा दे दिया है। यह कदम दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को पुनः स्थापित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि दूतावास का उद्देश्य अफगानिस्तान के समग्र विकास, मानवीय सहायता और क्षमता निर्माण में भारत की भूमिका को और मजबूत करना है। दूतावास का नेतृत्व एक वरिष्ठ राजनयिक करेंगे, जिन्हें चार्ज डी'अफेयर्स के रूप में नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 10 अक्टूबर को अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खालिद मुत्तकी से मुलाकात के दौरान इसका ऐलान किया था। 2022 से भारत ने काबुल में तकनीकी मिशन चलाया था, लेकिन अब इसका दूतावास का दर्जा मिलने से दोनों देशों के बीच औपचारिक संपर्क और बातचीत का मार्ग खुलेगा। इस कदम से अफगानिस्तान में भारत की भूमिका, खासकर विकास परियोजनाओं और मानवीय सहायता के क्षेत्र में, और स्पष्ट रूप से मजबूत होगी। हालांकि, दूतावास खोलने का अर्थ यह नहीं है कि भारत तालिबान सरकार को पूरी तरह मान्यता दे चुका है। भारत की नीति पारंपरिक तौर पर क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षा चिंताओं और मानवाधिकारों पर आधारित रही है। अफगानिस्तान में पाकिस्तान की भूमिका पर भारत ने हमेशा सतर्क रुख अपनाया है, और मौजूदा हालात में भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान-तालिबान संबंधों या विवादों में उसकी भूमिका नहीं होगी।

ट्रम्प का कड़ा संदेश:

-मध्यपूर्व के मित्र देश हमास को सिखाएंगे सबक

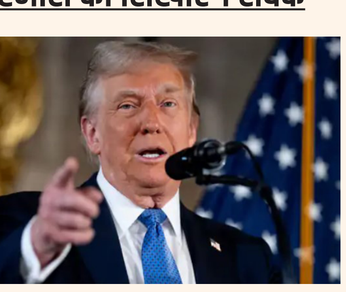

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि मध्यपूर्व में उनके कई मित्र देश हमास को सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यदि हमास ने किसी भी तरह से समझौता तोड़ा या गलत हरकत जारी रखी तो वे देश मेरी सलाह पर गाजा में बड़ी सैन्य कार्रवाई करके हमास को सीधा कर देंगे। उन्होंने कहा कि उनके मित्र देशों ने स्पष्ट किया है कि वे हमास को "ठीक" करने के लिए तत्पर हैं और आवश्यकता पड़ने पर कठोर कदम उठाएंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि मध्यपूर्व में जो प्यार और उत्साह देखा जा रहा है वह उन्होंने लंबे वक्त में नहीं देखा। उन्होंने इसे बहुत खूबसूरत बताया और कहा कि मित्र राष्ट्रों में एकजुटता काबिले तारीफ है। साथ ही ट्रम्प ने उन सभी देशों और इजरायल से विनती की कि अभी संयम बरतें ताकि हमास के पास सुधरने और सही रास्ते पर लौटने का समय मिल सके। हालांकि उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर हमास ने गलती जारी रखी तो उसका खात्मा तेज और निर्णायक होगा। ट्रम्प के बयान ने स्पष्ट संकेत दिया कि अमेरिका अपने मित्र देशों के साथ मिलकर क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्ती दिखाने को तैयार है। उनका कहना था कि पहले मौका दिया जा रहा है, मगर सीमा पार कर दी गई तो प्रतिक्रिया भी बहुत कठोर होगी। यह बयान क्षेत्रीय दशा पर असर डाल सकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठन भी घटनाक्रम पर निगरानी रखे हुए हैं और उन्होंने सभी पक्षों से संवेदनशीलता और सावधानी बरतने की अपील की है। ट्रम्प का यह रुख क्षेत्र में नई रणनीति और सहयोग का संकेत माना जा रहा है, जो आने वाले दिनों में राजनीतिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर वास्तविक गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

दिवाली के दूसरे दिन दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली

-हरियाणा बना सबसे प्रदूषित राज्य

नई दिल्ली। दिवाली के उत्सव का रोशनी और मिठाईयों के साथ मनाया जो आनंद आमतौर पर घरों में जाता है, वह इस साल पर्यावरण के लिहाज से बेहद चिंताजनक साबित हुआ है। दिवाली के दूसरे दिन भी दिल्ली और उसके आस-पास के इलाकों में हवा का प्रदूषण अपने चरम पर पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, सुबह 7 बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 345 दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' कैटेगरी में आता है। इस स्थिति में सामान्य लोगों के लिए बाहर निकलना स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक माना जाता है। दिल्ली के कुछ इलाकों में यह स्थिति और भी गंभीर है। उदाहरण के लिए, पंजाबी बाग में AQI 433 और वजीरपुर में 401 रिकॉर्ड हुआ है। यह आंकड़े साफ दिखाते हैं कि राजधानी की हवा न केवल 'बहुत खराब' स्तर पर है, बल्कि कई इलाकों में यह 'गंभीर' स्तर तक पहुंच चुकी है। दिल्ली में कुल 38 एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 34 स्टेशन रेड जोन में हैं, यानी राजधानी के अधिकांश इलाके वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर में हैं। विज्ञान और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे उच्च स्तर के AQI में सांस की बीमारियों, हृदय संबंधी समस्याओं और आंखों में जलन जैसी परेशानियों का खतरा बहुत बढ़ जाता है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक है। विशेषज्ञ लगातार लोगों से घर के अंदर रहने और अगर बाहर निकलना भी पड़े तो मास्क का इस्तेमाल करने की सलाह दे रहे हैं। प्रदूषण के इस बढ़ते स्तर के पीछे कई कारण हैं। दिवाली पर पटाखों का अत्यधिक उपयोग सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। फुलझड़ियां, गोलियों, चकरी और बड़े-बड़े पटाखों से निकलने वाला धुआँ और धूल न केवल दिल्ली में बल्कि आसपास के राज्यों में भी हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। इसके अलावा, मौसम की स्थिति भी इस समय प्रदूषण बढ़ाने में सहायक रही है। उत्तर-पूर्वी मानसून के कमजोर होने और ठंडी हवा की कमी के कारण धुंध और प्रदूषण कण हवा में फंसे हुए हैं और फैल नहीं पा रहे हैं। दिल्ली की ही तरह, इस साल हरियाणा की हवा भी अत्यधिक प्रदूषित पाई गई है। CPCB के अनुसार, दिवाली के बाद देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में हरियाणा के आठ शहर शामिल हैं, जबकि राजस्थान का एक शहर इस सूची में है। दिल्ली इस सूची में 10वें स्थान पर है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि सिर्फ राजधानी ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत में वायु गुणवत्ता पर गहरा असर पड़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिवाली जैसे त्योहारों पर स्थानीय प्रशासन को पटाखों के उपयोग पर सख्त नियंत्रण लगाने की जरूरत है। इसके अलावा, आम लोगों को भी जिम्मेदारी का परिचय देते हुए अपने और दूसरों के स्वास्थ्य की सुरक्षा करनी चाहिए। कागज और लकड़ी आधारित दीयों, ईको-फ्रेंडली पटाखे और कम शोर वाले पटाखों का चुनाव प्रदूषण कम करने में मदद कर सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन ने भी चेतावनी जारी की है और लोगों को बाहर निकलने से बचने, एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करने और बच्चों व बुजुर्गों को घर के अंदर रखने की सलाह दी है। साथ ही, वाहनों का कम इस्तेमाल और कार-पूलिंग जैसी पहलें प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकती हैं। इस साल की दिवाली यह संदेश देती है कि उत्सव के साथ जिम्मेदारी निभाना भी जरूरी है। अगर हम प्राकृतिक संसाधनों और अपनी सेहत की सुरक्षा करना चाहते हैं, तो हमें इस तरह के प्रदूषणकारी कदमों से बचना होगा। अन्यथा, आने वाले वर्षों में दिल्ली और हरियाणा जैसी जगहों पर वायु प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य संकट और बढ़ सकते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,